mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-43 | पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

13 फरवरी 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

शेफाली काफी अच्छी...

@ पेज 7

यूसीसी के खिलाफ नैनीताल हाई कोर्ट में दायर की याचिका

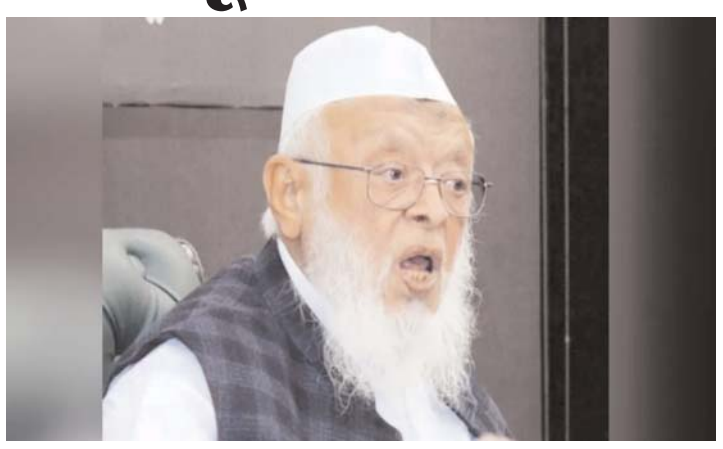

भोपाल (एजेंसी)। उत्तराखंड में ष्टष्ट लागू करने के फैसले का जमीयत उलमा-ए-हिंद ने किया विरोध, नैनीताल हाई कोर्ट में दायर की याचिका
नई दिल्लीः उत्तराखंड में जनवरी में समान नागरिक

- **उत्तराखंड में UCC लागू करने के फैसले का जमीयत उलमा-ए-हिंद ने किया विरोध**

संहिता (UCC) को लागू कर दिया गया है। इस कानून के खिलाफ जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी के निर्देश पर जमीयत उलमा-ए-हिंद ने आज नैनीताल हाईकोर्ट में याचिका दायर की और उत्तराखंड के मुख्य न्यायाधीश के सामने इसका उल्लेख किया। कोर्ट इस मामले पर इसी सप्ताह सुनवाई कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल जमीयत उलमा-ए-हिंद की ओर से इस महत्वपूर्ण मामले की पैरवी कोर्ट में करेंगे।
मौलाना मदनी ने इस याचिका पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि देश के संविधान, लोकतंत्र और कानून के राज को बनाए रखने के लिए जमीयत उलमा-ए-हिंद ने इस उम्मीद के साथ अदालत का दरवाजा खटखटाया है कि हमें न्याय मिलेगा। क्योंकि अदालत ही हमारे लिए अंतिम सहारा है। उन्होंने कहा कि हम शरीयत के खिलाफ किसी भी कानून को स्वीकार नहीं करते हैं, मुसलमान हर चीज से समझौता कर सकता है लेकिन अपनी शरीयत और धर्म से कोई समझौता नहीं कर सकता। यह मुसलमानों के अस्तित्व का सवाल नहीं बल्कि उनके अधिकारों का सवाल है।
मौलाना मदनी ने कहा कि समान नागरिक संहिता कानून लाकर मौजूदा सरकार मुसलमानों को देश के संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों को छीनना चाहती है। क्यूंकि हमारी आस्था के मुताबिक जो हमारे धार्मिक कानून है वो किसी मनुष्य द्वारा नहीं बल्कि कुरआन हदीस से साबित है। जो लोग किसी धार्मिक पर्सनल लॉ पर अमल नहीं करना चाहते हैं, उनके लिए देश में पहले से ही उन लोगों के लिए वैकल्पिक नागरिक संहिता मौजूद है तो फिर समान नागरिक संहिता की क्या जरूरत है?
उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता को लागू करना संविधान में नागरिकों को दिए गए मौलिक अधिकारों के विपरीत है। मौलाना मदनी ने कहा कि सवाल मुसलमानों के पर्सनल लॉ का नहीं बल्कि देश के धर्मनिरपेक्ष संविधान को उसकी मौजूदा स्थिति में बनाए रखने का है। क्योंकि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और संविधान में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ यह है कि देश की सरकार का अपना कोई धर्म नहीं है और देश के लोग अपने धर्म का पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं, इसलिए समान नागरिक संहिता मुसलमानों के लिए अस्वीकार्य है और देश की एकता और अखंडता के लिए भी हानिकारक है।उन्होंने आगे कहा कि समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए अनुच्छेद 44 को सबूत के तौर पर पेश किया जाता है और यह प्रचार किया जाता है कि समान नागरिक संहिता का उल्लेख संविधान में है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश हिंसा के दौरान हुई थी 1400 लोगों की मौत

जिनेवा (एजेंसी)। बांग्लादेश हिंसा के दौरान कम से कम 1400 लोग मारे गए थे। यह चौंकाने वाली रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने बुधवार को जारी की है। यूएन ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले साल गर्मियों में छह सप्ताह के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ

छात्रों के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई में 1,400 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका है। जिनेवा स्थित कार्यालय ने एक नयी रिपोर्ट में कहा है कि सुरक्षा और खुफिया सेवाएं ÷व्यवस्थित रूप से÷ अधिकारों के उल्लंघन में संलिप्त हैं, जो मानवता के खिलाफ अपराध हो सकते हैं और इनकी जांच की आवश्यकता है। मानवाधिकार कार्यालय ने ''विभिन्न विश्वसनीय स्रोतों'' का हवाला देते हुए कहा कि एक जुलाई से 15 अगस्त के बीच हुए प्रदर्शनों में 1,400 से अधिक लोगों के मारे जाने और हजारों लोगों के घायल होने की आशंका है। बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थी और पिछले साल पांच अगस्त से वह यहां हैं। इन व्यापक प्रदर्शन के बाद उनकी अवामी लीग की 16 साल पुरानी सरकार गिर गयी थी।

अमेरिका ने रची थी क्स्ल्मोदी को हराने की साजिश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश विभाग के पूर्व अधिकारी माइक बेंज के एक दावे से हड़कंप मच गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेंज ने दावा किया है कि मीडिया के असर का इस्तेमाल करके, सोशल मीडिया सेंशरशिप को बढ़ावा देकर और विपक्ष के आंदोलनों

को आर्थिक मदद पहुंचाकर अमेरिका ने भारत, बांग्लादेश समेत कई देशों की राजनीति को प्रभावित करने की कोशिश की। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने चुनावों को भी प्रभावित करने की कोशिश की और सरकारों को अस्थिर करने का प्रयास किया। स्ढ्ढष्ठ को लेकर जारी विवाद के बीच बेंज के इस दावे से हड़कंप मच गया है। उनका कहना है कि अमेरिका ने इस काम में काफी पैसे खर्च किए। बेंज के दावे के मुताबिक, भारत में 2019 में हुए लोकसभा चुनावों को भी प्रभावित करने की पूरी कोशिश की गई थी ताकि पीएम मोदी की पार्टी बीजेपी सफल न हो पाए। उन्होंने आरोप लगाया कि फेसबुक, यूट्यूब, वॉट्सऐप और ट्विटर जैसी विभिन्न सोशल मीडिया कंपनियों पर मोदी समर्थक कंटेंट को रोकने के लिए अमेरिका के विदेश विभाग ने दबाव डाला था। बता दें कि स्ढ्ढष्ठ अमेरिकी सरकार की एक स्वतंत्र संस्था है, जो विकासशील देशों में आर्थिक और मानवीय सहायता प्रदान करती है। बता दें कि पिछले कुछ सालों में भारत के लगभग सभी पड़ोसी देशों में सियासी अस्थिरता का माहौल रहा है। पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश में तो बहुत ही नाटकीय अंदाज में सत्ता परिवर्तन हुए हैं।

ब्लैकमेलिंग से तंग आकर युवती ने किया आत्मदाह, मार्च में होने वाली शादी हो गई थी रद्द

बुलंदशहर (एजेंसी)। त्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले से एक दिल को दहला देने वाली खबर सामने आ रही है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, जिले के बीबीनगर थाना क्षेत्र के एक गांव की 22 साल की युवती ने खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती की 3 मार्च को शादी होने वाली थी लेकिन एक

शख्स द्वारा ब्लैकमेलिंग के बाद रद्द हो गई थी जिसके बाद उसने मौत को गले लगा लिया। सिकंदराबाद की पुलिस क्षेत्राधिकारी पूर्णिमा सिंह ने कहा, %पीड़िता के सुसाइड नोट से पता चला है कि राकेश शर्मा नाम के एक शख्स द्वारा कथित उत्पीड़न के कारण वह आत्महत्या करने के लिए मजबूर हुई।% सीओ पूर्णिमा सिंह ने बताया कि सुसाइड नोट में युवती ने कहा है कि वह राकेश शर्मा नाम के शख्स के दबाव में आकर जान दे रही है। सुसाइड नोट में युवती ने लिखा कि राकेश ने उसके साथ जबरदस्ती की और उसकी अश्लील फोटो तथा वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल कर रहा है। पुलिस ने बताया कि युवती ने राकेश के माता-पिता पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। सुसाइड नोट में लिखा है कि राकेश ने युवती से 2 लाख रुपये से ज्यादा की वसूली की और धमकी दी थी कि अगर उसने उससे मिलने से इनकार किया तो वह तस्वीरें और वीडियो सार्वजनिक कर देगा।

राउज एवेन्यू कोर्ट में 18 फरवरी को सजा पर होगी बहस

कांग्रेस नेता सज्जन कुमार 1984 सिख दंगों में दोषी करार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को 1984 सिख दंगों के मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दोषी करार दिया है। अब 18 फरवरी को सजा पर बहस होगी। 1984 में सिख विरोधी दंगों को दौरान सरस्वती विहार में दो सिखों की हत्या के मामले में सज्जन कुमार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने दोषी करार दिया। 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या हुई थी। 1 नवंबर 1984 को शाम के करीब चार से साढ़े चार बजे के बीच, दंगाइयों की एक भीड़ ने लोहे की सरियों और लाठियों से पीड़ितों के घर पर हमला किया। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, इस भीड़ का नेतृत्व कांग्रेस के तत्कालीन सांसद सज्जन कुमार ने किया था, जो उस समय बाहरी दिल्ली लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। आरोप था कि सज्जन कुमार ने भीड़ को हमले के लिए उकसाया, जिसके बाद दोनों सिखों को

उनके घर में जिंदा जला दिया गया। भीड़ ने घर में तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी भी की थी। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने सज्जन कुमार को दोषी करार दिया साथ ही सजा पर बहस की तारीख 18 फरवरी तय की। सजा सुनाए जाने के लिए सज्जन कुमार को तिहाड़ जेल से अदालत में पेश किया गया। हत्या के इस मामले में पंजाबी बाग थाने ने शुरू में मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जांच का जिम्मा संभाला था। इस मामले में 16 दिसंबर, 2021 को अदालत ने कुमार के खिलाफ आरोप तय किए थे और उनके खिलाफ ÷प्रथम दृष्ट्या÷ मामला सही पाया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, घातक हथियारों से लैस एक बड़ी भीड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का बदला लेने के लिए बड़े पैमाने पर लूटपाट, आगजनी की थी और सिखों की संपत्तियों को नष्ट किया था। इस मामले में जसवंत सिंह की पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई थी।

जिन जजों ने अभद्र भाषा का किया इस्तेमाल, उनपर होगी कार्रवाई

मुंबई (एजेंसी)। इंडियाज गॉट लेटेंट केस में नई जानकारी सामने आई है। महाराष्ट्र साइबर सेल के सूत्रों के मुताबिक, इंडियाज गॉट लेटेंट के सभी 18 एपिसोड्स की जांच की जा रही है। इन 18 एपिसोड्स में जितने भी जज आए थे। इन जजों में से जिस जज ने भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इस शो में जो ऑडियंस आई थी, उनके बयान को बतौर गवाह के रूप में दर्ज किए जाएंगे। वहीं महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने यूट्यूबर को पत्र लिखकर सभी 18 एपिसोड्स को हटाने के लिए कहा है। बता दें कि आईजीएल शो में आए करीब 32 जजों की पुलिस ने पहचान की है। इसमें से कुछ जजों को पुलिस ने पूछताछ के लिए नोटिस भी भेजा है। वहीं अन्य लोगों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया जारी है। जानकारी के मुताबिक, इस शो के ज्यादातर जज मुंबई के बाहर हैं और एफआईआर दायर होने के बाद से डरे हुए हैं।

कांग्रेस पार्टी के संगठन में फेरबदल की प्रक्रिया शुरू

लोकसभा चुनाव 2029 की हो रही तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के संगठन में फेरबदल की प्रक्रिया शुरू हो गई है। लोकसभा चुनाव 2029 के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी नई टीम तैयार कर रही है। इस साल के अंत में होने वाले बिहार और अगले साल होने वाले पांच राज्यों के चुनावी समीकरणों को भी ध्यान रखते हुए संगठन में फेर बदल किए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक पार्टी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल अपने पद पर बने रहेंगे। बिहार, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, तेलंगाना और असम में प्रभारी बदले जा सकते हैं, साथ ही महाराष्ट्र , हिमाचल प्रदेश, तमिल नाडू, बिहार और उत्तराखंड राज्यों के अध्यक्ष भी बदले जा सकते हैं। वहीं पार्टी प्रभारी मोहन प्रकाश की संगठन से छुट्टी हो सकती है। गुलाम अहमद मीर को झारखंड से हटाया जाएगा, क्योंकि वह कश्मीर में कांग्रेस के विधायक दल के नेता हैं। इसके अलावा भूपेश बघेल को महासचिव बनाकर संगठन में लाया जा सकता है तो वहीं मीनाक्षी नटराजन, सचिन राव, अजय कुमार लल्लू, वामशी रेड्डी, कृष्णा अलावुरु जैसे नेताओं को संगठन में नई

जिम्मेदारी दी जा सकती है। बता दें कि हाल ही में दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा इससे पहले हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। वहीं इससे पूर्व लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी को हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अब कांग्रेस पार्टी के संगठन में बदलाव किया जा रहा है।

उच्चतम न्यायालय ने की टिप्पणी

दिल्ली में रोहिंग्या शरणार्थियों के साथ शिक्षा में नहीं होगा भेदभाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने रोहिंग्या शरणार्थियों से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई अगले सप्ताह के लिए तय करते हुए बुधवार को कहा कि शिक्षा के मामले में किसी भी बच्चे के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। याचिका में न्यायालय से अनुरोध किया गया है कि वह केंद्र और दिल्ली सरकार को दिल्ली में रोहिंग्या शरणार्थियों को सरकारी स्कूलों व अस्पतालों तक पहुंच प्रदान करने का निर्देश दे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शिक्षा में किसी तरह के भेदभाव न करने की बात कही और कहा कि अदालत सिर्फ यह जानना चाहती है कि ये रोहिंग्या परिवार कहां रह रहे हैं, किसके घर में रह रहे हैं और उनका विवरण क्या है।
एनजीओ 'रोहिंग्या ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव' की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंजाल्विस ने कहा कि उन्होंने एक हलफनामा दायर कर विस्तृत जानकारी दी है और बताया है कि रोहिंग्या शरणार्थियों के पास यूएनएचसीआर (संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त) की ओर से जारी कार्ड हैं।

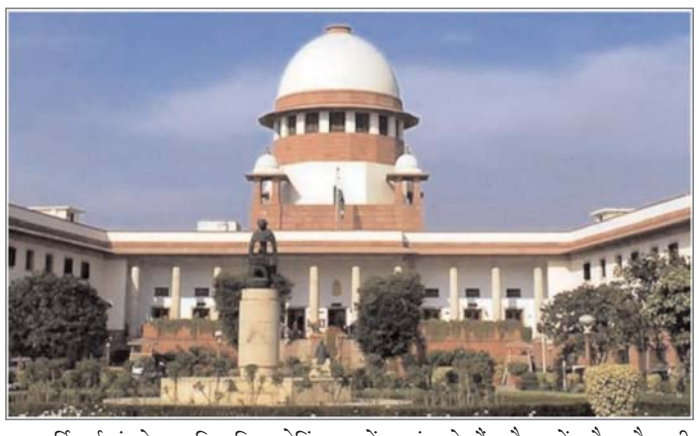

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि यदि इन रोहिंग्या परिवारों के पास ये कार्ड होंगे तो एनजीओ के लिए विवरण देना आसान हो जाएगा। इसके बाद गोंजाल्विस ने अधिक विवरण देने के लिए अदालत से कुछ समय मांगा। न्यायालय ने मामले की सुनवाई 10 दिन बाद के लिए तय की। इससे पहले 31 जनवरी को शीर्ष अदालत ने एनजीओ से कहा था कि वह अदालत को बताए कि रोहिंग्या शरणार्थी शहर में कहां बसे हैं और उन्हें कौन-कौन सी सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही उसने गोंजाल्विस से हलफनामा दाखिल कर दिल्ली में उनके ठिकानों के बारे में बताने को कहा था। गोंजाल्विस ने कहा था कि एनजीओ ने रोहिंग्या शरणार्थियों को स्कूलों और अस्पतालों तक पहुंच उपलब्ध कराने की मांग की है, क्योंकि आधार कार्ड न होने के कारण उन्हें प्रवेश नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा था।

लाडली बहनों के खंगाले जा रहे आधार और पैन कार्ड

मंत्री बोले योजना से बाहर हो जाएं ऐसी महिलाएं

नागपुर (एजेंसी)। पूरे महाराष्ट्र में लाडली बहनों के आधार कार्ड और पैन कार्ड खंगाले जा रहे हैं। नागपुर में लाडली बहनों की संख्या 15 लाख से ज्यादा है। तमाम शर्तों और मानकों के बावजूद अमीर महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही हैं। कई धनी लाडली बहनों ने भी योजना का लाभ उठाया है। जिम के फॉर्म और रिजेक्ट किया जा रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार ने इस योजना को लागू करते समय स्पष्ट किया था कि सरकार की किसी भी योजना का लाभ लेने वाली महिलाओं को इसका लाभ नहीं मिलेगा। नौकरीपेसा और पेंशन भोगी महिलाओं को भी इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इनकम टैक्स भरने वाली और चार पहिया वाहन रखने वाली महिलाओं को भी इसका लाभ नहीं मिलेगा। लाडली बहनों के बंपर आंकड़े से प्रशासन चौक गया था। अब इस योजना की समीक्षा की जा रही है।

महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा किए गए सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसमें कुछ आंकड़े चौंकाने वाले आ रहे हैं। नागपुर में 1228 बहनों के पास चार पहिया वाहन है। ऋह्लह ने इन महिलाओं का रिजेक्शन महिला बाल कल्याण विभाग को दिया है, जिसमें कहा गया है कि महिलाओं के पास चार पहिया वाहन है ,जो योजना का लाभ ले रही है। कुछ उन महिलाओं के भी नाम सामने आए जो किसान योजना का लाभ ले रही है। कुछ संजय गांधी निराधार योजना का भी लाभ ले रही हैं। इन सभी महिलाओं को मिलने वाला लाभ अब बंद कर दिया जाएगा।
महिला बाल कल्याण विभाग के अधिकारी नंदकिशोर पटिए ने बताया कि बहुत सी ऐसी महिलाएं हैं जिनके पति सरकारी कर्मचारी हैं व महिलाएं अब कार्यालय में आकर गुहार लगा रही हैं कि वह पैसे वापस लौट के लिए तैयार है। कुछ ऐसी भी महिलाएं आ रही है जो कह रही हैं कि उन्हें जो पैसे मिले थे उन्होंने खर्च कर दिया है। आगे से उन्हें इस योजना का लाभ न दिया जाए। वो पैसा वापस करना चाहती हैं लेकिन उनके पास पैसे नहीं है। जुलाई 2024 में योजना शुरू की गई थी।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी के निधन पर सामने आया सपा सांसद अवधेश प्रसाद का बयान

अयोध्या (एजेंसी)। श्री राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी महंत सत्येंद्र दास का बुधवार, 12 फरवरी को निधन हो गया। इस मौके पर अयोध्या से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद का बयान सामने आया है। अवधेश प्रसाद ने कहा कि महाराज जी, प्रभु श्री राम की तपस्या और पूजा सालों से करते आए थे। हम उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करेंगे कि

उनके नाम पर एक भव्य गेट बनाया जाए। उसी गेट के सामने महाराज जी की एक भव्य मूर्ति लगाई जाए। हमारे अयोध्यावासी और प्रभु श्री राम के लिए उनकी कई सेवाएं रही हैं। मैं प्रभु श्री राम से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें अपने चरणों में स्थान दें। श्री राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी महंत सत्येंद्र दास का बुधवार, 12 फरवरी को निधन हो गया। 87 वर्षीय सत्येंद्र दास की 'ब्रेन स्ट्रोक' के कारण तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें लखनऊ के स्त्रत्रढ्ढ में रविवार को भर्ती कराया गया था। उन्हें मधुमेह और हाई ब्लड प्रेशर भी था। अस्पताल की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि अयोध्या राम मंदिर के मुख्य पुजारी श्री सत्येंद्र दास जी ने बुधवार को अंतिम सांस ली। उन्हें 3 फरवरी को स्ट्रोक के कारण गंभीर हालत में न्यूरोलॉजी वार्ड के एचडीयू में भर्ती कराया गया था।

प्रमाणित बीजों से बढ़ाई जा रही है फसलों की उत्पादकता-कृषि मंत्री श्री कंषाना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि बीज प्रमाणीकरण संस्था का गठन भारत सरकार द्वारा अधिसूचित बीज अधिनियम 1966 की धारा 8 के अन्तर्गत किया गया है। संस्था का मुख्य कार्य निर्धारित मानक के अनुरूप गुणवत्ता के बीजों का प्रमाणीकरण करना है। प्रमाणित बीजों से प्रदेश में फसलों की उत्पादकता बढ़ाई जा रही है। बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा विगत् एक वर्ष की अवधि में बीज प्रमाणीकरण का महत्वपूर्ण कार्य किया गया। खरीफ-2024 में 1.24 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बीज प्रमाणीकरण के लिए पंजीकृत हुआ और 15 लाख क्विंटल बीज प्रमाणित किया गया। रबी सीजन में 1.07 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बीज प्रमाणीकरण के लिए पंजीकृत हुआ और 21.86 लाख क्विंटल बीज प्रमाणित किया गया। ग्रीष्म-2024 में 9021 हेक्टेयर क्षेत्र बीज प्रमाणीकरण के लिए पंजीकृत हुआ और 85 हजार क्विंटल बीज प्रमाणित किया गया। बीज प्रमाणीकरण संस्था के टैग्स पर 2डी क्यूआर कोड का उपयोग किया जा रहा है। किसी भी एन्ड्रॉयड फोन से इसे स्कैन किया जा सकता है। स्कैन करने पर प्रमाणित बीज लॉट के लिए जारी प्रमाण-पत्र खुल जायेगा, जिसमें बीज लॉट की समस्त जानकारी उपलब्ध है। फसल, किस्म, लॉट क्रमांक, टैगों की सीरीज, कुल कितने टैग जारी किये गये, पैकिंग साइज, पैकिंग मात्रा, बीज परीक्षण परिणाम, अंकुरण, भौतिक शुद्धता, अन्य फसलों, अन्य पहचान योग्य बीज, खरपतवार, नमी, किस कृषक एवं संस्था द्वारा बीज का उत्पादन किया गया और किस सहायक बीज प्रमाणीकरण अधिकारी द्वारा पैकिंग एवं टैगिंग की गई, समस्त जानकारी स्कैन के माध्यम से देखी जा सकती है। केन्द्र सरकार द्वारा तैयार किये गये साथी पोर्टल पर बीजोत्पादन कार्यक्रम और बीज का ट्रेसेबिलिटी ऑथेन्टिकेशन की जानकारी ली जा सकती है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने जबलपुर के पास हुई सड़क दुर्घटना पर गहन दुख व्यक्त किया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री एवं जबलपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मंगलवार को सिहोरा के पास नेशनल हाईवे पर कुंभ स्नान कर वापस लौट रहे तीर्थयात्रियों की ग्राम मोहला बरगी के पास टेंपो ट्रेवलर एवं ट्रक के टकराने से हुई दुर्घटना पर गहन शोक व्यक्त किया है। दुर्घटना में टेंपो ट्रेवलर में सवार आंध्र प्रदेश के 7 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। घायल 2 लोगों का जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय और एसडीएम श्री रूपेश सिंघई तुरंत ही मौके पर पहुंचने के निर्देश दिये। कलेक्टर जबलपुर ने बताया कि मृत व्यक्तियों को सिहोरा अस्पताल पीएम के लिए भेजा गया है एवं घायलों का सिहोरा जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

मुख्यमंत्री ने आंध्रप्रदेश के तीर्थयात्रियों की असामयिक मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रयागराज से आ रहे आंध्रप्रदेश के तीर्थयात्रियों की भीषण सड़क दुर्घटना में हुई असामयिक मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि जबलपुर जिले के सिहोरा में नागपुर-प्रयागराज नेशनल हाइ-वे पर ट्रैवलर और ट्रक की भिंड़त से यह हादसा हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि घायलों के समुचित उपचार और सभी मृतकों के परिजन से सम्पर्क कर पार्थिव देह पहुंचाने की व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजन को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रयागराज की यात्रा लंबी है, इसलिए वाहन चालकों के पर्याप्त आराम और नींद का ध्यान रखना आवश्यक है। साथ ही तेज रफ्तार से वाहन चलाने से भी बचना चाहिए। उन्होंने बताया कि स्थानीय अधिकारियों को दुर्घटना के संबंध में जांच के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

महाकुंभ मेला-2025, दो ट्रेनों के संचालन में अस्थायी बदलाव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रयागराज मंडल में आयोजित होने वाले महाकुंभ मेला-2025 के चलते रेलवे ने कुछ ट्रेनों के संचालन में अस्थायी बदलाव किया है। भोपाल मंडल से गुजरने वाली दो महत्वपूर्ण ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट और शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा /139 के माध्यम से ट्रेन की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त कर लें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

ट्रेन संख्या 14115 (डॉ. अंबेडकर नगर - प्रयागराज एक्सप्रेस)- 11 और 12 फरवरी 2025 को डॉ. अंबेडकर नगर से प्रस्थान करने वाली यह ट्रेन खजुराहो स्टेशन तक ही जाएगी।

ट्रेन संख्या 14116 (प्रयागराज - डॉ. अंबेडकर नगर एक्सप्रेस) = 12 और 13 फरवरी 2025 को प्रयागराज जंक्शन से प्रस्थान करने वाली यह ट्रेन खजुराहो से ही चलेगी।

एमपी में 50 हजार करोड़ का निवेश करेगा अवाडा ग्रुप

'उद्योगपतियों से बात नहीं करेंगे, तो रोजगार कहां से आएगा'

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में 24 और 25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नई दिल्ली के एक होटल में स्क्र-त्ड्स 2025 के कर्टेन रेजर कार्यक्रम को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि एक दौर था जब, अगर राजनेता और उद्योगपति उद्योग की बात करे, तो यह संकट सामने आता था कि वोट कट जाएगा। इस राजनीतिक लाइन का संकट खड़ा होने से लोग बात करने से पीछे हटते थे, लेकिन अब ऐसी स्थिति नहीं है। सीएम ने कहा कि उद्योगों को बढ़ावा नहीं देंगे, उद्योगपतियों से बात नहीं करेंगे, तो रोजगार कहां से आएगा? सीएम यादव ने प्रदेश के विकास के साथ निवेश की परिस्थितियों की जानकारी देते हुए कहा कि सभी निवेशक 24 और 25 फरवरी को भोपाल आएं और निवेश के लिए प्रस्ताव देकर उद्योग लगाएं। उन्होंने कहा कि भोपाल ऐसा है कि यहां आपको घूमते हुए टाइगर भी दिखाई दे सकते हैं। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर इन्वेस्टर्स

से वन-टू-वन चर्चा भी की। साथ ही उन्हें भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आने का न्योता दिया। सीएम डॉ. मोहन यादव ने चुटकी लेते हुए कहा कि उद्योगपतियों के साथ अब अधिकारी भी भाषण देना सीख गए हैं, लेकिन इसके पीछे उनकी सकारात्मक भावना है। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश में सभी प्रकार के उद्योगों के लिए असीम संभावनाएं विद्यमान हैं। मेरा उद्योगपतियों से आग्रह है कि आइए मध्यप्रदेश और निवेश की अनंत संभावनाएं खोजिए। सीएम यादव ने एमपी में निवेश के फायदों पर जोर देते हुए कहा कि एमपी में जमीन की कीमत दिल्ली की 1/40 और मुंबई की 1/100 है। इसलिए जो निवेश करना चाहते हैं, वे खुद भी जमीन खरीद सकते हैं, जैसे अवाडा ग्रुप ने जमीन खुद खरीदने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि परमात्मा मौका देता है और उसका उपयोग करने के लिए दायरे भी बनाता है। भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के चलते संभव हो रहा है।

रविन्द्र भवन में वेलेंटाइन डे पर प्रतियोगिता, विजेताओं को नकद पुरस्कार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मशहूर बॉलीवुड अभिनेता अन्नु कपूर और प्रसिद्ध गीतकार एवं आईआईटी के पूर्व छात्र कुमार की मेजबानी में भोपाल में एक शानदार लाइव अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 14 फरवरी 2025 को रवींद्र भवन में आयोजित होगी प्रतियोगिता। कुमार ने कहा, भोपाल संगीत और संस्कृति का शहर है और हम इस अंताक्षरी के माध्यम से इसे फिर से जीवित करना चाहते हैं। यह आयोजन शहर की प्रतिभाओं को एक नया मंच देगा और संगीत के साथ सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देगा।

इस प्रतियोगिता में शहर के प्रतिभाशाली लोग भाग लेकर आकर्षक नकद पुरस्कार जीतने का मौका पाएंगे। ऑडिशन 12 और 13 फरवरी को भोपाल में होंगे, जहां से चुने गए प्रतियोगी 14 फरवरी को मुख्य आयोजन में हिस्सा लेंगे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से कुमार, जिन्होंने हाल ही में पद्मश्री सुरेश वाडकर के साथ रेडियो शो %ऐ

जिंदगी गले लगा ले लॉन्च किया है, भोपाल में एक नई सांस्कृतिक परंपरा की शुरुआत कर रहे हैं। उनका मानना है कि इस अंताक्षरी के जरिए संगीत और संस्कृति को एक साथ लाकर हम भोपाल की प्रतिभा को प्रदर्शित कर सकते हैं। टिकट बुकिंग के लिए नया ऐप इस आयोजन में एक खास पहल भी की गई है। पहली बार भोपाल के किसी शो में टिकट बुकिंग के लिए स्टूडियो रिफ्यूल का नया ऐप पेश किया गया है।

मढ़ई कोर क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम के पर्यटन स्थल मढ़ई को प्लास्टिक मुक्त कर दिया गया है। मढ़ई में जंगल सफारी करने वाले पर्यटक प्लास्टिक की बोतल में पानी और पॉलिथिन में सामग्री नहीं ले जा सकेंगे। जंगल सफारी पर जाने वाले टूरिस्ट को टिकिट काउंटर या गेट पर ही प्लास्टिक और पॉलिथिन को जमा करना होगा। मढ़ई पार्क प्रबंधन ने बुधवार 12 फरवरी से मढ़ई कोर क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया है। पार्क प्रबंधन द्वारा पर्यटकों को पानी ले जाने के लिये स्टील, एल्युमिनियम की पानी की बोतल और कपड़े का थैला भी उपलब्ध कराया जायेगा। पर्यटक बोतल एवं कपड़े का थैला किराये से अथवा खरीद भी सकते हैं।

ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस कर्मियों के लिये आयोजित हुई प्रदेश स्तरीय कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस (टी.एल.एम.) कर्मियों की दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में प्रदेश के टी.एल.एम. उपसंभाग के 40 कर्मियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में लाइन कर्मियों को नेतृत्व कौशल, टीम वर्क के साथ सहायक एवं समावेशी तरीके से कार्य करने के अलावा अन्य महत्वपूर्ण तकनीकी विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी ने कहा कि इस तरह की प्रशिक्षण कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य ट्रांसमिशन कंपनी

में नये टीम लीडर तैयार करना है, जो पावर सेक्टर में बदलती परिस्थितियां और बढ़ती चुनौतियों का सफलता पूर्वक सामना कर सकें। उन्होंने कहा कि एम.पी. ट्रांसको को देश की सर्वश्रेष्ठ ट्रांसमिशन कंपनी बनाये रखने के लिये वर्तमान कार्यशैली में बदलाव की आवश्यकता है। इस तरह की प्रशिक्षण कार्यशालाएं कर्मियों के आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ाने में सहायक हो रही है। सभी ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस कर्मियों को बेयरहेंड मेंटेनेंस के साथ-साथ हॉट लाइन मेंटेनेंस की ट्रेनिंग लेना चाहिए, ताकि वो लाइन मेंटेनेंस की सभी विधाओं में पारंगत हो सके। उन्होंने कर्मियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं के बारे में जाना और उन्हें दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

मुख्य अभियंता श्री संदीप गायकवाड़ की परिकल्पना पर एम.पी. ट्रांसको के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस कर्मियों के लिये पहली बार इस तरह की कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें मुख्य बात यह रही वरिष्ठ लाइन कर्मियों श्री गप्पू सिंह इटारसी एवं जबलपुर के श्री मंगल पनिका, श्री राजेन्द्र कुशवाहा आदि ने न केवल प्रशिक्षण प्राप्त किया बल्कि उन्होंने साथियों को जीरो एक्सीडेंट लक्ष्य के साथ किस तरह विभिन्न परिस्थितियों में संयम के साथ कार्य निष्पादित करना है, इस संबंध में अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने मेंटेनेंस के महत्वपूर्ण गुर भी सिखाये।

प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हो रहा है प्रभावी क्रियान्वयन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष-2020 का स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रतापसिंह की अध्यक्षता में क्रियान्वयन के लिये राज्य स्तरीय टॉस्क फोर्स का गठन किया गया है। इसके साथ ही नई शिक्षा नीति में अध्यायवार राज्य स्तरीय समितियों का भी गठन किया गया है। अधिकारियों, प्राचार्यों और शिक्षकों को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर केन्द्रित ऑनलाइन उन्मुखीकरण प्रशिक्षण दिया गया है। न्यू एजुकेशन पॉलिसी ट्रेकर के साथ क्रियान्वयन की नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। प्रदेश में वर्ष 2024-25 की वार्षिक कार्य-योजना की स्वीकृति के आधार पर 4473 शालाओं में पूर्व प्राथमिक कक्षाएँ संचालित की जा रही हैं। इन शालाओं में आयु वर्ग समूह 3 से 6 के लगभग एक लाख बच्चे दर्ज हैं। शालाओं में उपलब्ध अतिरिक्त शिक्षक और कक्षा-1 और 2 को पढ़ाने वाले शिक्षकों द्वारा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को पीएम पोषण उपलब्ध कराने के लिये शिक्षा पोर्टल पर प्रावधान किया गया है। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) से संबंधित 170 मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षित किये गये हैं। नर्सरी, के.जी.- और के.जी.- के बच्चों के लिये वर्क-बुक भाग-1, 2 और 3 और उनके मूल्यांकन के लिये समग्र प्रगति पत्रक तैयार किये गये हैं। इन बच्चों के भाषा और संज्ञानात्मक विकास के लिये 10 विषयों पर पोस्टर तैयार किये गये हैं। पहले चरण में प्रदेश की 18 हजार 650 आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया था। दूसरे चरण में करीब 40 हजार आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिलाया गया है।

संवर रहा भोपाल का ऐतिहासिक इकबाल मैदान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल शहर के ऐतिहासिक इक़बाल मैदान का संरक्षण और सौंदर्यीकरण कार्य जारी है, ताकि इसकी खूबसूरती और ऐतिहासिक महत्व बना रहे। नगर निगम प्रशासन द्वारा इस ऐतिहासिक स्थल को संवारने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जो सराहनीय और काबिल-ए-तारीफ है।

मैदान की बाउंड्री वॉल पर अल्लामा इक़बाल के अशआर नहीं लगाए जा रहे हैं, जो इसकी ऐतिहासिक पहचान का अहम हिस्सा रहे हैं। पहले, मैदान की दीवारों पर पत्थरों पर उकेरे गए इक़बाल के शेर इसकी रौनक बढ़ाते थे और इसे एक विशेष पहचान देते थे, लेकिन संरक्षण कार्य के बावजूद इस महत्वपूर्ण पहलू को नजरअंदाज किया जा रहा है।

इसी मुद्दे को लेकर कोमी खिदमतगार भोपाल के हाजी मोहम्मद इमरान ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि, अल्लामा इक़बाल के अशआर पूर्व की तरह ही इक़बाल मैदान की दीवारों पर दोबारा स्थापित किए जाएं, ताकि इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान बरकरार रह सके।

विरासत-ए-भोपाल मंच ने भोपाल के इकबाल मैदान पर लागू धारा 144 हटाने की मांग की है। रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मंच की ओर से कहा गया कि सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के लिए इकबाल मैदान को खोला जाए। सदस्यों की मानें, तो इकबाल मैदान भोपाल की सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इस मैदान का इस्तेमाल सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए किया जाना चाहिए। बता दें, करीब चार साल से इकबाल मैदान में कोई कार्यक्रम नहीं किया गया है। यहां पर कई तरह के सांस्कृतिक और राजनैतिक कार्यक्रम लगातार होते थे।

माध्यमिक-प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने माध्यमिक एवं प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा के लिए आवेदन जमा करने की तारीख बढ़ा दी है। अभ्यर्थी अब 20 फरवरी तक इस परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे एवं 25 फरवरी तक आवेदन फार्म में संशोधन किया जा सकेगा। स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग में शिक्षकों के रिक्त 7929 पदों के लिए यह परीक्षा की जा रही है। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार मंडल ने अभ्यर्थियों से 28 जनवरी से 11 फरवरी 2025 तक आवेदन मांगे थे और वे 16 फरवरी तक अपने आवेदन में संशोधन करा सकते थे। इस बीच मेंटनेंस के लिए पोर्टल बंद कर दी गई। जिस वजह से परीक्षा आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज बनवाना मुश्किल हो रहा था।

कुष्ठ पखवाड़े में हुई 300 से अधिक कुष्ठ संभावितों की स्क्रीनिंग, जांच में मिले 10 नए कुष्ठ मरीज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। 30 जनवरी से आयोजित किए जा रहे स्पर्श कुष्ठ जागरूकता पखवाड़े के तहत जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में पीओडी शिविर, स्किन स्क्रीनिंग कैंप एवं कुष्ठ रोगियों के संपर्क में आए मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। पखवाड़े का शुभारंभ 30 जनवरी को सिविल अस्पताल गोविंदपुरा हथाईखेड़ा में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमंतु और अर्धघुमंतु कल्याण विभाग श्रीमती कृष्णा गौर एवं राज्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल द्वारा किया गया था।

13 फरवरी तक चलने वाले इस पखवाड़े के दौरान कुष्ठ रोगियों से भेदभाव न

करने संबंधी जागरूकता गतिविधियां भी की जा रही हैं। शिविरों में कुष्ठ रोग से होने वाली विकृतियों से बचाव के लिए जल तेल उपचार और विकृति से बचाव के तरीके सिखाये जा रहे हैं। पखवाड़े के दौरान 10 नए रोगी खोजे गए हैं, जिनमें 2 मरीज पीबी एवं 8 एमबी मरीज हैं।

सभी मरीजों का उपचार प्रारम्भ किया जा चुका है। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क उपचार के साथ साथ मरीजों को दैनिक क्रियाकलापों में परेशानी ना हो, इसके लिए विशेष रूप से बनी चप्पलें, बर्तन और सेल्फ केयर किट भी दी गई है।

पखवाड़े में 45 रोगियों को एमसीआर सेंडिल, सेल्फ केयर किट और सुन्न हाथों को जलने से बचाने के लिए ग्रिप ऐड (प्लास्टिक हेंडिल वाले बर्तन) प्रदान किया गया है। पखवाड़े में 312 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान 42 स्कूलों और 322 आंगनवाड़ी केंद्रों में कुष्ठ के लक्षणों की जानकारी के लिए जागरूकता एवं परामर्श सत्र आयोजित किए गए। भोपाल जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आईईसी गतिविधियों और समूह चर्चा के माध्यम से लोगो को कुष्ठ की जानकारी दी जा रही है।

कुष्ठ रोग बैलिसस माइक्रोबैक्टेरियम लेप्री के कारण होता है। कुष्ठ संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने पर उसके श्वसन तंत्र से निकलने वाली पानी की बूंद में उपस्थित लेप्री बैक्टीरिया हवा के साथ मिलकर दूसरे व्यक्ति के शरीर में पहुंच जाता है। यह बैक्टीरिया बहुत धीरे-धीरे पड़ता है। संक्रमण होने के लगभग 5 वर्षों बाद रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। यह मुख्य रूप से त्वचा, नर्व्स और आंखों को प्रभावित करता है।

सीधी की मोहनिया टनल में डंपर में घुसी बोलेरो

हादसे में एक ही परिवार के 5 लोग घायल, 2 की हालत नाजुक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले की हाईटेक मोहनिया टनल में मंगलवार शाम को सड़क हादसा हुआ। चुरहट के व्यापारी मोले प्रसाद गुप्ता के परिवार की बोलेरो कार ट्रक में जा घुसी। इस हादसे परिवार के 5 लोग घायल हो गए।

सभी घायलों को तत्काल चुरहट के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दो गंभीर घायलों को रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि अन्य का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है।

ये हुए घटना में घायल: घटना में घायल हुए लोगों में राम गुप्ता (आशीष गुप्ता के पुत्र), हार्दिक गुप्ता (मोले गुप्ता के पुत्र), ममता गुप्ता (मोले गुप्ता की पत्नी), दीप्ति गुप्ता (आशीष गुप्ता की पत्नी) और राकेश पांडे (दयाशंकर पांडे के पुत्र) शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे।

ट्रक चालक हिरासत में: मोहनिया चौकी प्रभारी सुनील पांडे ने बताया है कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक और उसके चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस घटना के कारणों की जांच में जुटी है।

पुलिस ने गांजा 22 किलो गांजा किया जब्त

एक आरोपी महिला गिरफ्तार, पति-बेटे भी हैं धंधे में शामिल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली पुलिस ने गांजा तस्करी के एक बड़े मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पोखरी टोला की बृहस्पतिया साहू (45) को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 22 किलो 545 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 4.50 लाख रुपए आंकी गई है।

एसपी मनीष खत्री ने बताया कि सरई थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदोरिया को सूचना मिली थी कि बृहस्पतिया साहू अपने घर में अवैध रूप से गांजा रखकर बेच रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की और महिला के घर से एक पीली प्लास्टिक बोरी में रखा गांजा बरामद किया।

छत्तीसगढ़ से गांजा लेकर आई थी महिला: पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह छत्तीसगढ़ से गांजा लेकर आई थी। एसपी ने बताया कि आरोपी महिला का पति ज्वाला साहू और उसका बेटा भी गांजा तस्करी में शामिल हैं और उनके खिलाफ सरई थाने में पहले से कई मामले दर्ज हैं। महिला को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी जितेंद्र भदोरिया के अलावा उप निरीक्षक प्रियंका सिंह, सूर्यपाल सिंह, संदीप नामदेव और सहायक उप निरीक्षक उपेंद्र सिंह भदोरिया सहित अन्य पुलिस कर्मियों की अहम भूमिका रही

ट्रेलर ने बाइक को मारी टक्कर

छत्तीसगढ़ के युवक की मौके पर मौत, पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर जिले में नेशनल हाईवे 43 पर कोतमा के प्रजापति पेट्रोल पंप एक ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना बुधवार शाम करीब 4 बजे की है। मृतक की पहचान खोघापानी, छत्तीसगढ़ निवासी पवन कुमार चौधरी के रूप में हुई है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, ट्रेलर अनूपपुर से बिजुरी की ओर जा रहा था। इसी दौरान ट्रेलर ड्राइवर ने बाइक सवार पवन कुमार को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रेलर ड्राइवर की पहचान और दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

टीचर की बाइक की डिग्गी से 3 लाख रुपए चोरी

शहडोल में नट बैंक से पैसे निकाल कर लौट रहे, बदमाश हुए फरार

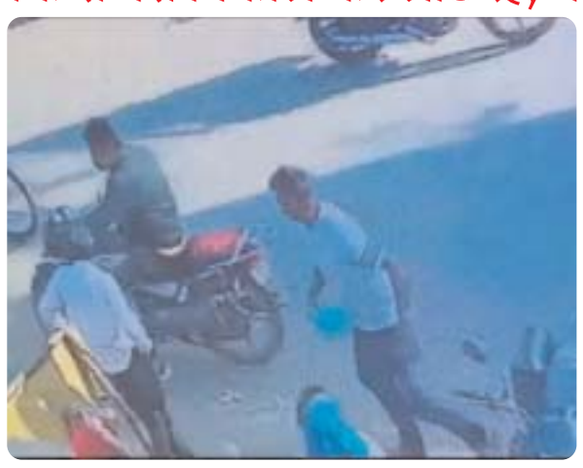

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के जयसिंहनगर में दिनदहाड़े एक टीचर की बाइक की डिग्गी से 3 लाख रुपए की चोरी का मामला सामने आया है। निगई गांव के शिक्षक जीवनलाल नट बैंक से पैसे निकालकर बस स्टैंड पर फल खरीदने रुके थे। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने उनकी बाइक की डिग्गी से रुपए चुरा लिए।

टीचर ने बदमाशों को पैसे निकालते हुए देखा और उन्हें पकड़ने की कोशिश की। लेकिन वे फरार हो गए। पीड़ित के शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने भी बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

तुरंत सूचना पर भी देर से पहुंची पुलिस: स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस के मौके पर देर से पहुंचने के कारण अपराधियों को पकड़ा नहीं जा सका। स्थानीय लोगों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर आक्रोश है। वे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग कर रहे हैं।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अपराधियों की धरपकड़ के लिए एसपी ने इनाम की घोषणा की है।

बिना ग्राम सभा की इजाजत के कोयला खनन का विरोध, लोगों ने कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल से लगे रौंघढ़ गांव के ग्रामीण मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय पहुंचे और अवैध कोयला खनन के विरोध में ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि एक सीमेंट कंपनी बिना ग्राम सभा की इजाजत और पेसा एक्ट के नियमों की अनदेखी करते हुए क्षेत्र में कोयला खनन शुरू करने की तैयारी कर रही है। मरवाटोला में आवंटित 6 कोयला ब्लॉक में रौंघढ़ के ग्रामीणों की भूमि भी शामिल है। कंपनी ओपन कास्ट पद्धति से खनन करने की योजना बना रही है।

ग्रामीण बोले- हमारी आजीविका होगी प्रभावित: ग्रामीणों का कहना है कि इससे क्षेत्र के जल स्रोत नष्ट हो जाएंगे, कृषि योग्य भूमि बंजर हो जाएगी और उनकी आजीविका पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। भूमिगत खनन से जमीन धंसने का भी खतरा है। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले वे उमरिया कलेक्टर से भी मिले थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब उन्होंने कमिश्नर से न्याय की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही इस मामले में कार्रवाई नहीं की गई, तो वे बड़े पैमाने पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

छेड़छाड़ से परेशान महिला ने की पिटाई

छत्रसाल चौराहे पर आरोपी को डंडे से पीटा, पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में छत्रसाल चौराहे पर आज सुबह एक महिला ने छेड़छाड़ करने वाले व्यक्ति की डंडे से पिटाई कर दी। घटना बुधवार सुबह 10:40 बजे की है, जब मजदूरी की तलाश में चौराहे पर खड़ी महिला को दो लोगों ने अश्लील हरकतों से परेशान करना शुरू कर दिया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि छत्रसाल चौराहा, जो मजदूरों के लिए रोजगार का प्रमुख केंद्र है, जहां ठेकेदार दैनिक मजदूरों की भर्ती करते हैं, वहां यह घटना घटी। पीड़िता के अनुसार, दो व्यक्तियों ने लगभग एक घंटे तक उसे लगातार परेशान किया। अंत में, महिला ने गुस्से में आकर एक आरोपी की कॉलर पकड़ ली और डंडे से उसकी पिटाई शुरू कर दी।

यह विवाद चौराहे से शुरू होकर पुलिस चौकी तक पहुंच गया। चौकी में कोई पुलिसकर्मी नहीं होने के कारण एक महिला पुलिसकर्मी और यातायात पुलिसकर्मी ने स्थिति को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए।

करीब 20 मिनट तक चले इस हंगामे के बाद यातायात कर्मी ने वायरलेस के जरिए सिटी कोतवाली थाने को सूचना दी। फिलहाल पुलिस ने महिला और आरोपी दोनों को थाने में ले जाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिले इसके लिए फार्मर रजिस्ट्री आवश्यक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिले इसके लिए फार्मर रजिस्ट्री बनाने का कार्य जारी है। इसके बन जाने से किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ आसानी से मिल सकेगा। फार्मर रजिस्ट्री के बनने से किसानों को खरीदी केन्द्रों में पंजीयन, किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना सहित सत्यापन में आसानी होगी। किसान भाई वेबसाइट एग्रीस्टैक डॉट जीओभी डॉट इन का प्रयोग कर फार्मर रजिस्ट्री बना सकते हैं। इसके अलावा गिरदावरी के लिए चिन्हित किए गए स्थानीय युवा, पटवारी एवं सीएससी केन्द्रों में भी फार्मर रजिस्ट्री बनवाई जा सकती है।

फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए राजस्व विभाग द्वारा स्थानीय स्तर पर विशेष पहल की जारी है। सभी किसान पटवारियों से भी संपर्क कर फार्मर आईडी तथा आधार आरओआर का कार्य करवा सकते हैं। जिन किसानों की फार्मर आईडी नहीं बन पाएगी वे आगामी पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त से वंचित हो सकते हैं। फार्मर आईडी के बिना उपार्जन के लिए पंजीयन, फसल बीमा एवं अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा।

चार भैंस चोर गिरफ्तार, 10 लाख रुपए कीमत की 5 भैंसे और पिकअप बरामद, आरोपियों को हुई जेल

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में पुलिस ने चार पशु चोरों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से चोरी की 5 भैंसें और एक पिकअप गाड़ी बरामद की गई है, जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपए आंकी गई है। सभी को गणेश कॉलोनी के खाली मैदान से पकड़ा गया है।

सिविल लाइन थाना थाना प्रभारी बाल्मीक चौबे ने बताया कि 8 फरवरी को मातगुवां थाना क्षेत्र के ग्राम बुदौर निवासी राजेश गोस्वामी ने अपनी 5 भैंसों के चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध किया और जांच शुरू की।

चारों को जेल भेजा गया: पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान चार आरोपी पकड़े गए, जिनकी पहचान महोबा निवासी मोहम्मद ताजुद्दीन, छतरपुर निवासी जगदीश यादव, महोबा निवासी मोहम्मद मौसम और महोबा निवासी अफजल मोहम्मद के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने पशु चोरी की बात स्वीकार कर ली है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

जीतू पटवारी ने अमरकंटक में नर्मदा पूजन किया

हाथी प्रतिमा के नीचे से निकले, तीन दिन तक अनूपपुर में रहेंगे

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी बुधवार को अनूपपुर जिले के अमरकंटक पहुंचे। उन्होंने नर्मदा मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और मां नर्मदा का अभिषेक किया। इस दौरान पुष्पराजगढ़ के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

पटवारी ने अमरकंटक की प्रसिद्ध हाथी प्रतिमा के नीचे से गुजरते हुए एक पुरानी मान्यता को याद किया। उन्होंने कहा कि मान्यता है कि हाथी प्रतिमा के नीचे से निकलने से क्लेशों से मुक्ति और मनोकामना पूर्ति होती है। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की दो साल पहले की गई 100 करोड़ के नर्मदा कॉरिडोर की घोषणा का मुद्दा उठाया। उन्होंने मोहन यादव सरकार से इस योजना की प्रगति के बारे में जवाब मांगा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष तीन दिवसीय दौरे पर अनूपपुर जिले में हैं। वे जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों - पुष्पराजगढ़, अनूपपुर और कोतमा में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे और संगठन विस्तार पर चर्चा करेंगे। पटवारी ने मां नर्मदा से प्रदेश के नागरिकों के कल्याण और समृद्धि की कामना की।

जीपीएल सीजन 2 के रोमांचक फाइनल मुकाबले में देसी डायनामाइट ने किसान इलेवन को 13 रनों से हराया

मुख्य अतिथि त्यौंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने खिलाड़ियों को वितरित किया पुरस्कार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गढ़ के क्रिकेट मैदान में आयोजित जीपीएल सीजन 2 का फाइनल मैच में काफी रोमांच देखने को मिला। फाइनल मैच में किसान इलेवन ने टॉस जीतकर देसी डायनामाइट के खिलाफ पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। निर्धारित 16 ओवर के मैच में किसान इलेवन ने 148 रनों का स्कोर खड़ा किया, जिसमें हिमांशु गौतम अर्धशतक से 1 रन से चूक गए और 49 रन बनाकर आउट हो गए। सुधांशु ने 27 रनों की पारी खेली। देसी डायनामाइट की तरफ से पीयूष पटेल ने 2 विकेट झटके। जीत के लिए 149 रनों का पीछा करते हुए देसी डायनामाइट ने काफी खराब शुरुआत की और पहले ही ओवर में जीरो रन पर ही अपने 2 विकेट गवां दिए। उसके बाद 6.2 ओवर में 41 रनों पर अपने 7 महत्वपूर्ण विकेट खो दिया। इसके बाद पृथ्वीराज पाण्डेय नाबाद 50 रन और लवकुश प्रजापति 39 रन बनाकर 90 रनों की साझेदारी करते हुए टीम को संकट से उबारा। लेकिन प्रिंस वर्मा ने 15वें ओवर में लगातार 2 विकेट झटक कर फिर से देसी डायनामाइट को बैकफुट पर ढकेल दिया। इसके बाद पृथ्वी पाण्डेय और भास्कर ने आखिरी गेंद पर स्कोर 148 रन बनाकर मैच टाई करवा दिया। फाइनल मैच में परिणाम के लिए अब दोनों टीमों सुपर ओवर खेलना था, जिसमें देसी डायनामाइट ने 1ओवर में 1 विकेट खोकर 16 रन बनाए और किसान इलेवन को जीत के लिए 1 ओवर में 17 रनों का लक्ष्य दिया। किसान इलेवन ने पीयूष पटेल की घातक गेंदबाजी के सामने 3 रन पर 2 विकेट खोकर किसान इलेवन मैच हार गई। धड़कने बढ़ा देने वाले इस फाइनल मुकाबले में सुपर ओवर से विजेता का फैसला हुआ। मैच के हीरो रहे पृथ्वीराज पांडेय को मैन ऑफ द मैच दिया गया। हिमांशु गौतम को मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में त्यौंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही रिटायर्ड शिक्षकों एवं वरिष्ठ नागरिकों को शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में धर्मेंद्र मिश्रा, कौशल मिश्र, चंद्रवली सिंह, देवेंद्र प्रसाद पाण्डेय, चंद्रशेखर मिश्र, शिवमूर्ति मिश्र, रमागोविन्द मिश्र, जयप्रकाश मिश्र, राजेंद्र मिश्र, भैयालाल पाण्डेय, राजहर्षिदेव, दिनेश मिश्रा, नरसिंह श्रीवास्तव, रजनीश मिश्र, बैजनाथ सोनी जनपद सदस्य प्रतिनिधि उमेश सोनी, पूर्व सरपंच रामरूप अवधिया, पैकनगांव सरपंच सुखेंद्र सिंह, भूतपूर्व सैनिक चक्रधर सिंह एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चिरहुला ब्लॉक कांग्रेस ने ग्राम पंचायत कोठी में मनाई रविदास समाज के साथ जयंती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। चिरहुला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रीवा द्वारा स्थानीय ग्राम पंचायत कोठी में रविदास समाज के लोगों के बीच पहुंचकर जयंती कार्यक्रम को मनाया। संत रविदास को माल्यार्पण कर उनके जीवनी पर प्रकाश डाला गया। रविदास जयंती कार्यक्रम में चिरहुला ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामकीर्ति शर्मा ने कहा कि रविदास एक महान संत थे उन्होंने समाज के उत्थान का कार्य किया, साथ मानव जीवन को सन्देश भी दिया है कि पवित्र मन से ही प्रभु कि कृपा पाई जा सकती है कर्म ही पूजा है मन का निर्मल स्वच्छ होना जरूरी है। जयंती कार्यक्रम में मुख्य रूप से चिरहुला ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामकीर्ति शर्मा मंडलम अध्यक्ष अखिलेश तिवारी, लल्लू सिंह यादव, राकेश पटेल, सेक्टर अध्यक्ष अनवर अंसारी, रामस्वरूप झाँझोट, राजा राम गौतम, श्रीराम गरीब साकेत, संतोष साकेत, रामभरोसे साकेत, पिंटू साकेत, मोती साकेत, छोटेलाल साकेत, रामलाल साकेत, बुद्धसेन साकेत, बिक्की साकेत आदि ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संत रविदास जयंती पर निकाली शोभायात्रा

भाजपा जिलाध्यक्ष बोले- रविदास किसी एक जाति के नहीं, पूरे विश्व के संत हैं

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के पर्यटन ग्राम मड़ला में संत शिरोमणि रविदास जयंती के पर शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में बुधवार को मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेंद्र मिश्रा शामिल रहे। उन्होंने संत रविदास जी महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

जिला अध्यक्ष बोले- सागर में 100 करोड़ की लागत से संत रविदास का विशाल मंदिर बन रहा है। संत रविदास किसी एक जाति के नहीं, बल्कि पूरे विश्व के संत हैं, जिन्होंने समाज से भेदभाव के उन्मूलन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

महामंत्री ने कहा- महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलें: अनुसूचित जाति मोर्चा के महामंत्री संजय अहिरवार ने समाज की एकता पर जोर देते हुए कहा कि समाज को एकजुट रहकर महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलना चाहिए और बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करनी चाहिए।

कार्यक्रम में पंचम अहिरवार, प्रकाश अहिरवार, ललिया अहिरवार, राम अहिरवार और गोरेलाल अहिरवार, भूपत अहिरवार, बीजेपी जिला उपाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी और अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला महामंत्री संजय अहिरवार मौजूद रहे।

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में रोजगार मेले का आयोजन 15 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के तहत विशेष भर्ती अभियान 2025 का आयोजन 15 फरवरी को शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में होना है।

विचार

33 करोड़ देवी देवताओं के भरोसे महाकुंभ?

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन चल रहा है। भक्तों में संगम जाकर स्नान करने की होड़ मची हुई है। माघ पूर्णिमा स्नान के लिए देश भर से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश और समीपवर्ती राज्यों मे जाम लग गया है। प्रयागराज से 200 से 300 किलोमीटर ईद-गिर्द चार पहिया वाहन रेंग रहे हैं। वाहनो में श्रद्धालुओं का परिवार है। जिसमें छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं भी हैं कई घंटे तक भूखे प्यासे रहकर जाम में फंसे हुए हैं। आस्था इतनी प्रबल है, संगम में स्नान करने का मोह छोड़ नहीं पा रहे हैं। जो छोड़ना चाहते हैं, उन्हें वापस जाने के लिए रास्ता नहीं मिल रहा है। उत्तर प्रदेश की पुलिस समस्या का समाधान नहीं निकाल पाई। मध्य प्रदेश जैसे राज्यों को अपनी पुलिस व्यवस्था करनी पड़ी। अन्य राज्यों मे जाम में फंसे यात्रियों के लिए चाय-नाश्ता, भोजन-पानी की व्यवस्था प्रशासनिक एवं जन सहयोग से सामाजिक संस्थाओं द्वारा करने की कोशिश की गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता, संघ के अनुवांशिक संगठन, बजरंग दल और गौ रक्षक कहां छिपे हैं। इसको लेकर लोग चर्चा करने लगे हैं। पहली बार महाकुंभ के आयोजन में 100 करोड़ श्रद्धालुओं को संगम में दर्शन कराने, ठहराने, खाने-पीने की व्यवस्था करने का दावा उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने किया था। हिंदू संगठनों ने भी महाकुंभ को लेकर बड़े-बड़े दावे किए थे। महाकुंभ शुरू होने के बाद जिस तरह से कई स्थानों पर भगदड़ मची। कुंभ मेला के क्षेत्र में कई जगहों पर आग लगी। अभी भी हजारों लोग कुंभ मेले से गायब हैं। जिसकी तलाश उत्तर प्रदेश की पुलिस अभी तक नहीं कर पाई है। उत्तर प्रदेश सरकार अभी तक मृतकों के आंकड़े को भी अपग्रेड नहीं कर पाई है। एक ही बार 30 श्रद्धालुओं की मौत होने का समाचार अधिकृत रूप से आया था। उसके बाद से लगातार अफवाहें चल रही हैं। माघ पूर्णिमा स्नान के पहले सैकडों किलोमीटर दूर तक का जाम लगा है। वह अपने आप में अभूतपूर्व है। प्रयागराज में दूध और खाने पीने की वस्तुओं का अभाव हो गया। प्रयागराज में आवश्यक वस्तुओं की कमी हो गई। बड़े वाहन प्रयागराज तक पहुंच ही नहीं पाए। प्रयागराज मे भारी भीड़ को देखते हुए जिन मुसलमानों को मेला क्षेत्र में घुसने नहीं दिया गया था। उन मुसलमान ने अपनी मस्जिद और घर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए। कुंभ में इसके पहले कभी भी इस तरह की अव्यवस्था नहीं देखी गई। उत्तर प्रदेश सरकार ने 10000 करोड रुपए से ज्यादा महाकुंभ इंतजाम में खर्च किए। जो अभी तक खर्च की गई राशि में सबसे ज्यादा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दावा किया गया था। जगह-जगह हजारों की संख्या में कैमरे लगाए गए हैं। एआई तकनीकी की मदद ली गई है। बड़े-बड़े कई सेक्टर बनाए गए हैं। उनमें सुरक्षा की व्यवस्था की गई है।

आखिर तीसरे मोर्चे के सियासी तीरंदाजों का राजनीतिक भविष्य अब या होगा?

कमलेश पांडे

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान भाजपा और कांग्रेस विरोधी क्षेत्रीय दलों ने जो पारस्परिक एकजुटता दिखाई, उससे भी यहां पिछले 12 वर्षों तक साारूढ़ रही आम आदमी पार्टी यानी आप की सियासी भलाई संभव नहीं हो पाई और भाजपा नीत एनडीए के हाथों आप को करारी चुनावी मात मिली। इस चुनाव में 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा की 48 सीटों पर जहां भाजपा ने बाजी मारी, वहीं आप को उसने महज 22 सीटों पर ही समेट दिया। वहीं, दिल्ली पर साारूढ़ रही इंडिया गठबंधन की सहयोगी आप की रणनीति ही ऐसी मारक रही कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस का यहां तीसरी बार भी खाता नहीं खुलने दिया, जिससे उसके रणनीतिकारों की राजनीतिक पेशानी पर बल पड़ना स्वाभाविक है।

बता दें कि 2015, 2020 और 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को एक भी सीट पर चुनावी सफलता नहीं मिल पाई है, जबकि उसकी शीला दीक्षित सरकार ने डेढ़ दशक तक यहां शासन किया है और दिल्ली के बहुमुखी विकास में उल्लेखनीय भूमिका अदा की है। दरअसल, यह सब कुछ अनायास नहीं हुआ बल्कि भाजपा की एक सोची-समझी गुप्त रणनीति के तहत किया गया, जिसे अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन बनाने के चक्कर में आप और कांग्रेस नहीं समझ पाई। साथ ही, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों ने भी आप और कांग्रेस के बीच लोकसभा चुनाव 2024 के आए परिणामों के बाद से दिल्ली-पंजाब में चौड़ी हो रही सियासी खाई को पाटने में दिलचस्पी नहीं दिखाई, बल्कि आप की खुली तरफदारी करके कांग्रेस को नीचा दिखाने का काम किया। इससे भी बात बनते बनते बिगड़ गई। बता दें कि दिल्ली के पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश की प्रमुख विपक्षी समाजवादी पार्टी यानी सपा के मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृण मूल कांग्रेस यानी टीएमसी की सुप्रीमो व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टी शिवसेना यूबीटी के आलाकमान उद्धव भाऊ ठाकरे, एनसीपी शरद पवार के प्रमुख शरद पवार आदि ने अपने-अपने सूबे में जारी कांग्रेस के सियासी दांवपेचों से खार खाते हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में आप की खुली तरफदारी की, जिससे कांग्रेस का मुस्लिम-दलित वोट बैंक आप के साथ जुड़ा रहा। इससे दिल्ली में कांग्रेस को तीसरी बार भी जीरो पर समेटने में %आप% सफल रही।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस के नेतृत्व में बने %इंडिया गठबंधन% में आप भले ही दिल्ली में शामिल रही, लेकिन पंजाब में उसने दोस्ताना मुकाबला किया। फलाफल यह निकला कि दिल्ली की कुल 7 लोकसभा सीटों में से आप के हिस्से वाली 3 सीटों पर और कांग्रेस के हिस्से वाली 4 सीटों पर भाजपा ने दोनों पार्टियों को जबरदस्त शिकस्त दी। वहीं, पंजाब में हुए दोस्ताना टक्कर के दौरान वहां सत्तारूढ़ %आप% पर कांग्रेस भारी पड़ी, क्योंकि पंजाब के 14 लोकसभा सीटों में से आप को जहां मात्र 3 सीटों पर जीत मिली, वहीं कांग्रेस ने 7 सीटों पर अपना कब्जा जमा लिया। जो आप नेताओं को नागवार गुजरा। जबकि कांग्रेस ने अपनी सूबाई नेतृत्व की पीठ थपथपाई, जिसने अड़ियल रूख दिखलाकर आप-कांग्रेस में आत्मघाती राजनीतिक समझौता नहीं होने दिया और आप पर दुगुनी से ज्यादा बढ़त हासिल करके दिखला दिया।

समझा जाता है कि यहीं से कांग्रेस और आप में पुन: राजनीतिक दूरी बननी शुरू हो गई, क्योंकि पंजाब में कांग्रेस की रीति-नीति ही वहां पर सत्तारूढ़ आप की भगवंत मान सिंह सरकार के लिए गम्भीर खतरा बन सकती है। चूंकि कांग्रेस ही पंजाब में मुख्य विपक्षी पार्टी है, इसलिए उसके साथ आप की राजनीतिक मित्रता का पंजाब के लोगों के बीच गलत संदेश जा सकता है। वहीं, दिलचस्प बात यह है कि चाहे दिल्ली हो या पंजाब, आप ने कांग्रेस को सियासी शिकस्त देकर ही सत्ता पाई है। इसलिए दोनों में महज भाजपा विरोधी धर्मनिरपेक्षता के सवाल पर दोस्ती की गुंजाइश बनाना आप के लिए आत्मघाती रणनीति हो सकती है।

कुछ यही सोचकर आप ने दिल्ली में एकला चलने का निर्णय लिया और इंडिया गठबंधन के क्षेत्रीय दलों को कांग्रेस विरोध के नाम पर अपने पाले में कर लिया। हालांकि, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला ने इस मामले में कांग्रेस-आप समेत इंडिया गठबंधन के विभिन्न घटक दलों को समय रहते ही आगाह कर दिया था, लेकिन उनकी दूरदर्शितापूर्ण सलाह की सबने अनदेखी की। यही वजह है कि आप व कांग्रेस की उम्मीदों के विपरीत चुनाव परिणाम मिलने पर उन्होंने सटीक टिप्पणी की कि जी भरकर लड़ो, खत्म कर दो एक दूसरे को।

कहने का तातपर्य यह कि उमर अब्दुल्ला चाहते हैं कि इंडिया गठबंधन के घटक दलों को साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए, क्योंकि घटक दलों के आपस में लड़ने से भाजपा को फायदा मिल रहा है। चूंकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तरह जम्मू-कश्मीर में भी उमर अब्दुल्ला ने भाजपा को रोका है, इसलिए उनकी बातों का अपना महत्व है। इधर शिवसेना यूबीटी प्रवक्ता संजय राउत ने भी कहा है कि दिल्ली में कांग्रेस और आप मिलकर लड़ते तो परिणाम अलग होते। भाजपा की हार तय थी।

उधर, माकपा नेता टीपी रामकृष्णन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के प्रभावी समन्वय के लिए कदम नहीं उठाए। इनकी बातों में दम है क्योंकि जब दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस विरोधी क्षेत्रीय दल आप को समर्थन देने लगे तो कांग्रेस की ओर से बयान आया कि इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। विभिन्न राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियों के मद्देनजर कांग्रेस स्वहित के अनुकूल निर्णय करेगी। उसकी यही बात इंडिया गठबंधन के घटक दलों को भी नागवार गुजरी।

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि चूंकि लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को अप्रत्याशित सफलता मिली थी, इसलिए उसको और मजबूत किए जाने का दारोमदार भी कांग्रेस पर ही है। लेकिन उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी, महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी और एनसीपी शरद पवार, पश्चिम बंगाल में टीएमसी आदि को ज्यादा लोकसभा सीटें मिलने से इनकी अंदरूनी प्रतिस्पर्धा कांग्रेस से ही शुरू हो गई, जो बात राहुल गांधी को नागवार गुजरी।

उनसे जुड़े सूत्रों का कहना है कि 1977, 1989 और 1996 में जिन दलों ने कांग्रेस की कब्र खोदी औए 2004 से 2014 तक कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए सरकार से मतलब परस्त आंखमिचौली करके उसे कमजोर किया, उनसे कांग्रेस के भले की उम्मीद करना व्यर्थ है। इसलिए %आत्मनिर्भर कांग्रेस% की रणनीति पर जोर देना उन्होंने पुन: शुरू किया है, जिससे कथित तीसरे मोर्चे के यूपीए, महागठबंधन, महाविकास अघाड़ी और इंडिया गठबंधन के साझीदारों में खलबली मची हुई है।

आपको याद दिला दें कि केंद्र में 1979-80 में विभाजित जनता पार्टी की चौधरी चरण सिंह सरकार, 1990 में विभाजित जनता दल की चंद्रशेखर सरकार और 1996-98 में भाजपा विरोधी संयुक्त मोर्चे क्रमश: देवगौड़ा और गुजराल सरकार के उत्थान-पतन में कांग्रेस की शातिर राजनीतिक चालों का अहम योगदान रहा है, ताकि कांग्रेस विरोधी मोर्चा समय रहते ही धराशायी हो जाए। उस दौर में क्षेत्रीय दल कभी आरएसएस, कभी जनसंघ और बाद में भाजपा से गठबंधन करके कांग्रेस को केंद्रीय व सूबाई सत्ता से सत्ताच्युत तो कर देते थे, लेकिन उसकी कुटिल चालों के सामने टिक नहीं पाते थे।

हालांकि, भाजपा नेतृत्व ने समय रहते ही इसे समझ लिया और कभी गठबंधन तो कभी एकला चलो की रणनीति अपनाकर खुद को कांग्रेस के मजबूत विकल्प के रूप में उभरी और उसके तमाम सियासी रिकॉर्डों को ध्वस्त करती चली गई।

रिश्तों में अश्लीलता घोलता सोशल मीडिया

ललित गर्ग

इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर एवं यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने माता-पिता की गरिमा को आहत करने वाली अश्लील, अपमानजनक एवं विवादास्पद टिप्पणी करते हुए भारतीय संस्कारों एवं संस्कृति को धुंधलाने का घिनौना एवं अक्षम्य अपराध किया है। भले ही इस टिप्पणी के लिए माफी मांगी गयी हो, लेकिन रणवीर ने हास्य कलाकार समय रैना के यूट्यूब रियलिटी शो इंडियाज गाट लैटेंट में एक प्रतियोगी से उसके माता-पिता और यौन संबंधों को लेकर सवाल करते हुए यह आपत्तिजनक टिप्पणी की। इसको लेकर विवाद भड़क गया, लोगों के गहरा आक्रोश है। सामाजिककर्मियों के साथ-साथ विभिन्न दलों के राजनेता ने इसकी तीव्र आलोचना करते हुए पॉडकास्ट पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। इस मामले पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यूट्यूब को नोटिस जारी किया है। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी सक्रिय हुआ है। इस शो में माता-पिता, महिलाओं और उनके शरीर के बारे में अभद्र एवं अश्लील टिप्पणियां की गई थीं। इसलिये रियलिटी कामेडी शो के निर्माताओं, जजों और प्रतिभागियों के खिलाफ अपमानजनक भाषा और अश्लील सामग्री के इस्तेमाल को लेकर मुंबई पुलिस के साथ-साथ देश में अन्य स्थानों पर शिकायत दर्ज कराई गयी है। सोशल मीडिया से लेकर हर जगह रणवीर की थू थू हो रही है। हर कोई उनके खिलाफ आवाज उठा रहा है और जेल भेजने की मांग कर रहा है।

तथाकथित रणवीर इलाहाबादिया के एक्स पर छह लाख से अधिक फालोअर, इंस्टाग्राम पर 45 लाख से अधिक फालोअर और यूट्यूब चैनल पर 1.05 करोड़ सब्सक्राइबर हैं। इलाहाबादिया उन ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स में से एक हैं, जो ऐसे अश्लील एवं संस्कृति-विरोधी प्रदर्शन से करोड़ों रुपये भी कमाते है, जिन्हें पिछले साल नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय क्रिएटर्स पुरस्कार मिला था। पिछले दिनों उन्होंने डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के साथ मिलकर कई कैबिनेट मंत्रियों का साक्षात्कार लिया था। इसके अलावा साल 2022 में उनका नाम फोर्ब्स अंडर 30 एशिया लिस्ट में भी आया था। 22 साल की उम्र में रणवीर ने अपना पहला यूट्यूब चैनल शुरू किया था, आज वह सात चैनलों को चला रहे हैं। पाकिस्तान से भारत आये रणवीर इलाहाबादिया का पूरा नाम रणवीर सिंह अरोड़ा है। लेकिन लोग उन्हें रणवीर इलाहाबादिया के नाम से जानते हैं। माता-पिता पर विवादित कमेंट करने से पहले रणवीर इलाहाबादिया कई बार सोशल मीडिया पर बवाल मचा चुके हैं। उनका विवादों से पुराना नाता रहा है। उनके विवादास्पद बयानों की वजह से उन्हें एक बार जिम से भी बैन किया गया था। इतना ही नहीं, वो लड़कियों के कपड़ों पर भी विवादित कमेंट करने की वजह से हेडलाइन्स बटोर चुके हैं। लेकिन ऐसे विकृत सोच रखने वाले लोगों को ऐसे बड़े सम्मान मिलना भी अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है। क्योंकि यह अभिव्यक्ति की आजादी का बेहूदा, आपत्तिजनक एवं अमर्यादित उपयोग है, यह रचनात्मकता नहीं है, यह विकृति है और ऐसे विकृत व्यवहार को सामान्य नहीं माना जा सकता। विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण तो यह स्थित भी है जिसमें इस खराब टिप्पणी को जिस तरह आम लोगों की जोरदार तालियां मिलीं। प्रश्न है कि आखिर हम कैसा समाज बना रहे हैं? क्यों हम अपनी संस्कृति एवं संस्कारों को घूमिल कर रहे हैं। स्मार्टफोन आने के बाद से सोशल मीडिया का

प्रयोग लगातार बढ़ता ही जा रहा है। और जैसे-जैसे इसका प्रयोग बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सकारात्मक के साथ-साथ इसके नका

रात्मक प्रभाव भी सामने आते जा रहे हैं। जो कि भारतीय समाज, संस्कृति और परिवार परम्परा पर सीधे आघात कर रहे हैं। भारत विरोधी तत्वों के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में भौतिक वासना, नग्नता, अश्लीलता की विकृति फैलाने का काम भी हो रहा है। इससे समाज के भीतर कुंठित वासना एवं बीमार मानसिकता को जन्म दिया जा रहा है, जिसे रोकने के लिए सरकार से लेकर प्रशासन और समाज को साथ आकर कड़े कदम उठाने होंगे। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर अनचाहे अश्लील दृश्यों की भरमार हो रही है। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफार्म से होने वाली कमाई एक बड़ी वजह निकल कर सामने आ रही है। सोशल मीडिया पर किसी भी सामान्य व्यक्ति के द्वारा अपना अकाउंट बनाकर ऐसा भी कंटेट अपलोड किया जा सकता है जिसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किसी प्रकार की कोई रोट टोक एवं पाबंदी नहीं है। इस प्रकार के सोशल मीडिया अकाउंट बड़ी तेजी से बढ़ रहे हैं। समाज में पैसे का लोभ दिखाकर अश्लील शार्ट फिल्म और वेब सीरीज का गौरखधंधा धडल्ले से चल रहा है। मोबाइल एप्स और ओटीटी वेब पोर्टल पर अश्लील एवं संस्कृति विरोधी कंटेंट निर्बाध रूप से होना सरकार की बड़ी नाकामी है। यही कारण है कि ऐसे सभी प्रकार के मोबाइल एप्स और वेब पोर्टल पर भी सरकारी नियंत्रण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है।

तकनीक के माध्यम से भारतीय युवा एवं किशोर पीढ़ी को अपने जीवन के प्रारंभ के समय से ही कामवासना के जाल में फंसाकर उनके जीवन को गौण बनाने एवं धुंधलाने के प्रयास किये जा रहे हैं। युवा शक्ति राष्ट्र की प्रेरक शक्ति है। नैतिक मूल्यों के बिना ज्ञान न केवल बेकार हैं, बल्कि समाज के लिए भी खतरनाक हैं। यही कारण है कि हमारी युवापीढ़ी बड़ी दुविधा में हैय उन्हें भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें दिग्भ्रमित किया जाता है, जिससे वर्तमान भारतीय समाज न केवल प्रभावित होता है, बल्कि यह भावी पीढ़ी के भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है। ऐसे अनेक प्रकार के अश्लील कंटेंट देखे जा सकते हैं जिसमें अश्लीलता के माध्यम से भारतीय परिवार व्यवस्था को नष्ट करने का काम भी षडयंत्रपूर्वक किया जा रहा है। जिसकी चर्चा समाज के भीतर प्रबुद्ध लोगों को करने की आवश्यकता है ताकि समय पर जागरूकता के साथ समाज और परिवार को गर्त में जाने से रोका जा सकता है।

दरअसल, साल 2021 में रणवीर इलाहाबादिया ने महिलाओं के कपड़ों पर सेक्सिएस्ट कमेंट किया था, जिसकी वजह से उस समय भी सोशल मीडिया पर बवाल खड़ा हो गया था। इस दौरान उन्हें लोगों ने बुरी तरह से ट्रोल किया था। उन्होंने एक ट्वीट करते हुए लिखा था कि कुर्ती पहनने वाली महिलाएं, पुरुषों को घुटने टेकने पर मजबूर कर देती हैं। रणवीर की इस पोस्ट के कारण उन्हें महिलाओं का भारी विरोध झेलना पड़ा। बावजूद इसके वे नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों में लगातार संलग्न रहे हैं। जो व्यक्ति सनातन धर्म और आध्यात्मिकता की बात करता है और बड़ी हस्तियों को अपने शो में बुलाता है, वह ऐसी विकृत मानसिकता कैसे रख सकता है?

प्रेक्षक, रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी तथा राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों की उपस्थिति निकायों की गयी संवीक्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन के निर्देशानुसार नगर पालिका निमग, नगर पालिका परिषद तथा नगर पंचायत के आम निर्वाचन 2025 हेतु मतदान के दूसरे दिन जिले में नियुक्त प्रक्षेक के समक्ष निकायों की संविक्षा की जानी है। जिसके के परिपालन में आज जिले में नियुक्त प्रेक्षक दुष्यंत कुमार रायस्त, रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक निटर्रिंग ऑफिसर तथा राजनीतिक दल के समक्ष किया गया। सर्व प्रथम नगर पंचायत खोंगापानी के 15 मतदान केंद्रों में से 15 प्रतिशत से कम और 15 प्रतिशत से ज्यादा निकाय के औसत मतदान से किया गया जो कि 69.15 प्रतिशत है। मतदान केंद्र क्रमांक 02 जहां कुल मतदान प्रतिशत 84.88 है तथा मतदान केंद्र क्रमांक 15 जहां कुल मतदान प्रतिशत 50.84 रहा। इन मतदान केंद्रों के मतदाता रजिस्टर चिन्हित मतपत्र, पीठासीन की डायरी तथा मतपत्र लेखा से मिलान कर संवीक्षा की गई जो सही पाया गया।

नगर पंचायत नई लेदरी के 15 वार्डों में संपन्न हुए चुनाव की समीक्षा की गयी। नई लेदरी के 3 मतदान केंद्रों को रेण्डम चुन कर मतदाता रजिस्टर चिन्हित मतपत्र, पीठासीन की डायरी तथा मतपत्र लेखा से मिलान कर संवीक्षा की गई जो सही पाया गया। नगर पंचायत झगराखांड में मतदान का औसत प्रतिशत 83.60 रहा। प्रेक्षक द्वारा मतदान केंद्र क्रमांक 05 जिसका मतदान प्रतिशत 90.65 रहा व न्यूनतम मतदान प्रतिशत मतदान केंद्र क्रमांक 07 जिसका मतदान प्रतिशत 76.90 रहा की संवीक्षा किया गया। जिसमें मतदाता रजिस्टर, पीठासीन की डायरी, चिन्हित प्रति, एवं मतपत्र लेखा से मिलान किया गया जो कि सही पाया गया।

नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ 22 वार्डों में 34 मतदान केंद्रों में से मतदान केंद्र क्रमांक 06, 13, 16, 18 तथा मतदान केंद्र क्रमांक 22 की संविक्षा की गई। जिसमें मतदाता रजिस्टर, पीठासीन की डायरी, चिन्हित प्रति, एवं मतपत्र लेखा से मिलान किया गया जो कि सही पाया गया। नगर पालिका निगम चिरमिरी के 40 वार्डों की 75 मतदान केन्द्रों में से मतदान केन्द्र क्रमांक 04, 47 तथा मतदान क्रमांक 55 की रेंडम चुनाव कर संवीक्षा किया गया । तत्पश्चात् चिन्हित प्रति, पीठासीन की डायरी, मतपत्र लेखा, मतदाता रजिस्टर का मिलान किया गया। जिसमें सभी दस्तावेजों का मिलान के दौरान सही पाया गया । वहीं नगर पंचायत जनकपुर के 15 वार्डों की 15 मतदान केन्द्रों की स्थानीय निर्वाचन की औसत मतदान प्रतिशत 76.17 है तथा सबसे अधिक मतदान मतदान केन्द्र क्रमांक 06 में 84 प्रतिशत एवं सबसे कम मतदान मतदान क्रमांक 02 एवं 15 में 66 प्रतिशत रहा । मतदान केन्द्र क्रमांक 15 की पीठासीन अधिकारी की रजिस्टर एवं चिन्हांकित प्रति, मतपत्र लेखा का अवलोकन कर मिलान किया गया । मिलान के पश्चात आंकड़े सही पाये गए । किसी भी मतदान केन्द्र से कोई आपत्ति प्राप्त नहीं है । मतदान दिवस के दिन कोई भी मतदान संबंधी अपराध/घटना होना नहीं पाया गया है।

संवीक्षा बैठक में सभी रिटर्निंग ऑफिसर और सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के साथ राजनीतिक दल से विशेष सोनी एवं संतोष कुमार सोनी (आप), भावेश जैन, राम गोपाल यादव और किरण कुमार कुजूर (एनआईसी), विवेक अग्रवाल (बीएसपी), धमेंद्र पटवा, श्रीमती सुनैना विश्वकर्मा, राजेश सोंधिया, राजेश कुमार, नीतू मनहरे, शीला उरांव, दया शंकर यादव, आदित्य राज डेविड, रामचरित द्विवेदी (बीजेपी) और निर्दलीय से बलबीर कौर कालरा अन्य जनप्रतिधि उपस्थित रहे।

रिटर्निंग अधिकारी ने सेक्टर अधिकारियों की ली बैठक

जो दल जिस बस से जायेंगे, वो दल उसी बस से वापस आयेंगे, जिला पंचायत सीईओ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 जिले में कराया जाना है। जिले के तीन विकासखण्ड खड़गवां में 17 फरवरी 2025, मनेंद्रगढ़ में 20 फरवरी 2025 तथा भरतपुर में 23 फरवरी 2025 को तीन चरणों में निर्वाचन सम्पन्न कराया जाना है। इसी संबंध में आज त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन रिटर्निंग अधिकारी अंकिता सोम शर्मा ने विकासखण्डों में नियुक्त सेक्टर अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं। उन्होंने सेक्टर अधिकारियों को बताया कि बस में जितने दल जाऐंगे वहीं दल उसी बस में बैठकर वापस आऐंगे। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण का त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव खड़गवां विकासखण्ड में होना है। उसके लिए आवश्यक 73 दलों को रवाना करने के लिए 3 बस 52 सीटर स्वामी आत्मानंद स्कूल मनेंद्रगढ़ में उपलब्ध रहेगा। इसी प्रकार द्वितीय चरण का निर्वाचन 20 फरवरी को मनेंद्रगढ़ विकासखण्ड का होना है। उसके 60 दलों के लिए 6 बसे इन्द्रप्रस्थ हायर सेकेण्डरी स्कूल जनकपुर में तथा 40 दलों के लिए 4 बसे कोटाडोल में उपलब्ध रहेगा। तृतीय चरण के निर्वाचन दूरस्थ क्षेत्र भरतपुर विकासखण्ड का होना है। उसके लिए मनेंद्रगढ़ से भरतपुर के लिए 50 दलों हेतु 4 बसे, खड़गवां से भरतपुर के लिए 100 दलों हेतु 8 बसें तथा केल्हारी से भरतपुर के लिए 20 दलों हेतु 1 बस उपलब्ध रहेगा। इसके अलावा रिटर्निंग अधिकारी ने 10-10 अतिरिक्त रिजर्व दल को तैयार करने के निर्देश दिये हैं।

बैठक में जनपद सीईओ वैशाली सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा, बीईओ सुरेन्द्र जायसवाल, बलविंदर सिंह, स्माइल खान, खनिज अधिकारी दयानंद तिग्गा, खनिज इंस्पेक्टर आदित्य मानकर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रेमिका की हत्या करने वाले प्रेमी को उम्रकैद

ब्रेकअप के बाद युवती का सिर कुचला, शव को गहरी खाई में फेंका, आजीवन कारावास

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी जिले में प्रेमिका की हत्या करने वाले प्रेमी को उम्रकैद की सजा मिली है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार तिवारी की अदालत ने दोषी रोहित बेक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

मामला पोंडी थाना क्षेत्र के अमृतधारा का है, 24 अक्टूबर 2024 को छात्रा सुष्मिता खलखो (21) अंबिकापुर जाने के लिए घर से निकली थी। जब वह अंबिकापुर नहीं पहुंची, तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की।

दोनों के बीच था प्रेम संबंध: चार दिन बाद 28 अक्टूबर 2024 को उनके पिता ने केल्हारी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि आरोपी रोहित बेक का मृतका के साथ प्रेम संबंध था।

अन्य व्यक्ति से संबंध की बात से नाराज था प्रेमी: बीच में हुए ब्रेकअप के बाद युवती का किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने की बात से नाराज होकर आरोपी ने हत्या की योजना बनाई। उसने पर्यटन स्थल अमृतधारा के जंगल में युवती को बुलाकर पत्थर से उसका सिर कुचल दिया और साक्ष्य मिटाने के लिए शव को गहरी खाई में फेंक दिया।

जय अंबे इमरजेंसी सर्विस के दफ्तर में आईटी की रेड

108 एंबुलेंस की सेवा संचालन करती है कंपनी, एमपी में भी चल रही कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में 108 एम्बुलेंस सर्विस देने वाली जय अंबे इमरजेंसी सर्विस कंपनी के दफ्तर में आईटी की टीम ने छापेमारी की है। ग्लोबल टावर अवंति विहार स्थित ऑफिस में 8 से 10 अधिकारी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, जय अंबे इमरजेंसी सर्विस के संचालक धर्मेंद्र सिंह और उनके करीबियों के ठिकानों पर आईटी ने दबिश दी है। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश में भी चल रही है। बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी की आशंका है।

जमीन खरीदी-बिक्री में गड़बड़ी, टैक्स चोरी की गड़बड़ी की शिकायत: बताया जा रहा है कि, कंपनी के संचालक ने बड़े पैमाने पर जमीन की खरीदी-बिक्री की है। इसके साथ ही टैक्स चोरी में भी बड़ी गड़बड़ी की शिकायत मिली है। जिसके बाद आईटी की टीम जांच करने पहुंची है। ऑफिस में रखे सभी रिकार्ड को खंगाले जा रहे हैं।

हेड मास्टर के 14 साल के बेटे ने लगाई फांसी

पिता बोले- स्कूल प्रबंधन फोन कर कहता था, आपका बेटा पढ़ाई में कमजोर

मीडिया ऑडीटर, बालोद (एजेंसी)। बालोद के निजी स्कूल में पढ़ने वाले 14 साल के छात्र ने स्कूल से लौट कर घर में फांसी लगा ली। घटना की जानकारी तब लगी जब पिता के घर पहुंचने पर दरवाजा खटखटाया गया। जब दरवाजा नहीं खुला तो खिड़की से देखने पर छात्र फंदे से झूलता मिला। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। घटना सोमवार शाम 6 बजे की है। नाबालिग छात्र के पिता गवर्नमेंट स्कूल में हेड मास्टर हैं। उन्होंने बताया कि वह सुबह 8 बजे उसे स्कूल छोड़ने गए थे। दोपहर 2 बजे स्कूल की छुट्टी होने पर अपनी मां के साथ घर आया। इसके बाद वह खाना खाकर अपने रूम सोने चला गया।

स्कूल प्रबंधन ने मुझे स्कूल बुलाया था, मैं जा नहीं पाया: नाबालिग छात्र के पिता ने आगे कहा कि सुबह 10 बजे स्कूल से फोन आया था। स्कूल प्रबंधन ने 12 बजे मुझे बुलाया था। लेकिन चुनाव ड्यूटी की वजह से जा नहीं पाया। स्कूल प्रबंधन की ओर से उन्हें जानकारी दी गई थी कि उनका बच्चा पढ़ाई में कमजोर है, ध्यान दीजिए। शायद बच्चे को सब्जेक्ट समझने में दिक्कत हो रही थी।

पिता ने कहा - स्कूल में क्या हुआ, न्यायिक जांच हो: छात्र के पिता ने बताया कि वह अपने बेटे को स्कूटी से स्कूल लेकर गए। स्कूल छोड़ने के दौरान उन्होंने अल्लाह हाफिज कहा, यही अंतिम मुलाकात थी। वह खुशी-खुशी स्कूल गया। उसकी मम्मी स्कूल से 3 बजे घर लाई। इसके बाद वह अपने रूम में सोने चला गया।

ऐसा समय किसी पिता को देखना ना पड़े: जब मैं 6 बजे घर आया तो पूछा कि बच्चा कहां है। तब सोने की जानकारी मिली। जब दरवाजा नहीं खुला तो खिड़की की ओर से देखा। इसके बाद जिस हालात में वह हमें मिला। ऐसा समय किसी पिता को देखना ना पड़े।

स्कूल प्रबंधन लगातार बुला रहा था: मृतक बच्चे के पिता ने पुलिस को बयान देते हुए न्यायिक जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि 8वीं बोर्ड हो चुका था। इसके बाद बच्चे को लेकर स्कूल प्रबंधन की ओर से मुझे लगातार बुलाया जा रहा था।

गवर्नमेंट स्कूल में हेड मास्टर हैं पिता: मृतक छात्र उमरादाह के ब्लेज एकेडमी में 8वीं कक्षा में पढ़ता था। उसके पिता आसिफ रिजवी गर्ल्स प्राइमरी स्कूल में हेड मास्टर हैं। उनका छोटा बेटा भी उसी स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ाई करता है।

मामले की जांच जारी- एसडीओपी: एसडीओपी देवांश सिंह राठौर ने कहा कि मर्ग कायम कर लिया गया है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां मंगलवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया। फिलहाल, आगे की जांच जारी है।

रेलवे इंजीनियर से 31 लाख की ठगी

शेयर मार्केट में मुनाफे के लालच में फंसे, सीएसपी बोले- निवेश से पहले जानकारों से सलाह ले

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में रेलवे इंजीनियर के साथ 31 लाख रुपए की ठगी हुई है। शेयर मार्केट में मुनाफे का लालच देकर युवती ने धोखाधड़ी की है। शिकायत के बाद पुलिस ने जुर्म दर्ज कर जालसाजों की तलाश शुरू कर दी है। रेलवे कालोनी में रहने वाले अनिल एक्का सहायक कार्यपालन अभियंता हैं। युवती ने उन्हें ज्यादा मुनाफे को लालच देकर जाल में फसाया। सीएसपी अक्षय प्रमोद सबद्रा ने शेयर मार्केट में निवेश से पहले जानकार लोगों से सलाह लेने की बात कही है।

ये है पूरा मामला: अनिल एक्का के मोबाइल पर व्हॉटसप पर मैसेज आया। मैसेज करने वाली युवती ने उनसे शेयर मार्केट के संबंध में बात की। इंजीनियर ने इसमें रुचि दिखाई तो युवती ने ज्यादा मुनाफे का लालच देकर एक फॉर्म भरवाया। साथ ही लिंक भेजकर एक एप डाउनलोड कराया।

युवती ने ज्यादा मुनाफे का लालच देकर उनसे कई बार पैसे जमा कराया। एप में उन्हें करीब 83 लाख रुपए का मुनाफा दिख रहा था। बाद में एप बंद हो गया। रुपयों को वापस करने के लिए इंजीनियर से 20 लाख रुपए मांगे गए। इसके लिए इंजीनियर ने बैंक से लोन और दोस्तों से उधार लेकर रुपए जमा कराए।

जालसाजों के बताए खाते में करीब 31 लाख रुपए जमा कराने के बाद इंजीनियर को धोखाधड़ी की जानकारी हुई। तब उन्होंने रेंज साइबर थाने पहुंचकर घटना की शिकायत की है। इंजीनियर की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

फर्जी एप में दिखाई दे रहा था मुनाफा: इंजीनियर ने अपनी शिकायत में बताया कि उन्हें पहले ज्यादा मुनाफे का लालच देकर निवेश करने कहा गया। इसके लिए उन्हें एक एप डाउनलोड कराया गया था। इस एप में उनके रुपए और मुनाफे की रकम दिखाई देती थी। करीब तीन महीने में ही उन्हें डबल मुनाफा दिखाई दे रहा था।

लालच में आकर उन्होंने पैसा जमा किया। इसी बीच एप बंद हो गया। इसके बाद उन्हें पैसे वापस करने के लिए और रुपए जमा करने के लिए दबाव बनाया गया। दबाव और लालच में आकर उन्होंने पैसे जमा कराए। बाद में उन्हें धोखाधड़ी की जानकारी हुई।

ज्यादा मुनाफे के लालच में आकर फंस रहे लोग: शेयर मार्केट में ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में लोग फंस रहे हैं। इसमें कई लोग पढ़े लिखे होने के साथ ही बड़े पदों पर भी हैं। इससे पहले एमबीए की छात्रा और एक अधिकारी भी जालसाजों के झांसे में आ चुके हैं।

जानकार लोगों से ले सलाह: सीएसपी अक्षय प्रमोद सबद्रा ने बताया कि शेयर मार्केट में निवेश से पहले जानकार लोगों से सलाह लेनी चाहिए। साथ ही ज्यादा मुनाफा देने वाली अनजान कंपनी में निवेश करने से बचना चाहिए। इसके अलावा सेबी से पंजीकृत संस्था के माध्यम से ही निवेश करना चाहिए।

बेबीलॉन टावर की 7वीं मंजिल से कूदा युवक

एमपी से आया था रायपुर, अकाउंटेंट का करता था काम, लेकिन छूट गई थी नौकरी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के बेबीलॉन टावर की 7वीं मंजिल से बुधवार को एक युवक ने कूदकर खुदकुशी कर ली है। बताया जा रहा है कि, युवक ने ऊपर के गलियारे से छलांग लगाई है। आत्महत्या की वजह साफ नहीं है। घटना तेलीबांधा थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक युवक का नाम विजय बसोने है। वह पहले बेबीलॉन टावर में ही अकाउंटेंट का काम करता था, लेकिन उसकी नौकरी छूट गई थी। इसके बाद वह दूसरे होटल में काम करने लगा, लेकिन अचानक यहां आकार सुसाइड कर लिया।

फर्श पर गिरते ही धड़ाम से आई आवाज: बेबीलॉन टावर की 7वीं मंजिल से कूदने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें युवक गिरते हुए नजर आ रहा है। जैसे ही फर्श पर गिरता है, धड़ाम से आवाज आती है। हाथ हलके से हिलते हैं और उसकी मौत हो जाती है। पैर से चप्पल निकलकर दूर फेंका जाते हैं। बताया जा रहा है कि युवक मूल रूप से एमपी के बालाघाट का रहने वाला था। यहां पर वह किराए से रहता था। युवक शादीशुदा है। आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहा था। पुलिस ने युवक के घरवालों से संपर्क कर घटना की जानकारी दे दी है।

युवक की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया: युवक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया है, ये अभी साफ नहीं है। फिलहाल युवक की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए पुलिस जिला अस्पताल पंडरी में लेकर गई है। जहां परिजनों से पूछताछ के बाद सुसाइड की असल वजह सामने आ पाएगी।

जिले के नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 शांतिपूर्ण माहौल में हुआ सम्पन्न, 69.27% रहा मतदान प्रतिशत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 के तहत जिले में मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार और उप जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में मतदान प्रक्रिया सुचारू रूप से चली। विभिन्न नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे मतदान प्रतिशत भी उत्साहजनक रहा। जिले के विभिन्न नगरीय निकायों में हुए चुनाव में महिला और पुरुष मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मतदान सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक संपन्न हुआ, जिसमें कुल मतदान प्रतिशत 69.27% रहा। नगर पालिका निगम चिरमिरी की 40 वार्डों में कुल 54,188 मतदाताओं में से 18,326 पुरुष और 17,884 महिलाओं ने मतदान किया। कुल मतदान 36,210 हुआ और मतदान प्रतिशत 66.82% दर्ज किया गया। नगर पालिका परिषद् मनेन्द्रगढ़ की 22 वार्डों में कुल 26,604 मतदाताओं में से 9,199 पुरुष और 9,131 महिलाओं ने मतदान किया। इसमें कुल 18,330 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और मतदान प्रतिशत 68.90% रहा। इसी साथ नगर पंचायत झगराखांड की 15 वार्डों में कुल 5,512 मतदाताओं में से 2,250 पुरुष और 2,358 महिलाओं ने मतदान किया। इसमें कुल 4,608 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और मतदान प्रतिशत 83.60% दर्ज किया गया। इस तरह नगर पंचायत खोंगापानी में कुल 11,947 मतदाताओं में से 4,151 पुरुष और 4,110 महिलाओं ने मतदान किया। जिसमे कुल 8,261 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और मतदान प्रतिशत 69.15% रहा। साथ ही नगर पंचायत नई लेदरी की 15 वार्डों में कुल 3,851 मतदाताओं में से 1,496 पुरुष और 1,548 महिलाओं ने मतदान किया। इसमें कुल 3,044 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और मतदान प्रतिशत 79.04% रहा। वहीं नगर पंचायत जनकपुर की 15 वार्डों में कुल 3,933 मतदाताओं में से 1,501 पुरुष और 1,493 महिलाओं ने मतदान किया। इसमें कुल 2,994 लोगों ने वोट डाले और मतदान प्रतिशत 76.13% दर्ज किया गया।

इस तरह, जिले में कुल 1,06,035 मतदाताओं में से 36,923 पुरुष और 36,524 महिलाओं ने मतदान किया। कुल 73,447 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और जिले में मतदान प्रतिशत 69.27% रहा।

12 साल के बच्चे ने लगाई फांसी

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव (एजेंसी)। कोंडागांव जिले में 12 साल के मासूम ने सुसाइड कर लिया। बताया जा रहा है स्कूल जाने की बात पर नाराज होकर मंगलवार शाम उसने अपने कमरे में चुनरी से फांसी लगा ली। ग्राम बम्हनी के तोड़ोबेड़ा गांव की घटना है। जानकारी के मुताबिक, 5वीं का छात्र दीपांशु कश्यप पिछले दो महीनों से स्कूल नहीं जा रहा था। उसके पिता का देहांत हो चुका है और उसकी मां ने उसे छोटी उम्र में ही नाना-नानी के पास छोड़कर राजस्थान चली गई थी। तब से वह कभी वापस नहीं आई।

नाना-नानी ने की थी पूछताछ: नाना-नानी ही बच्चे का पालन-पोषण कर रहे थे और उसकी पढ़ाई का ख्याल रख रहे थे। स्कूल न जाने के कारण जब नाना-नानी ने उससे पूछताछ की। माना जा रहा है संभवतः इसी दबाव में उसने यह कदम उठाया।

स्कूल जाने की बात पर हुआ नाराज: थाना प्रभारी सौरभ उपाध्याय के मुताबिक, दीपांशु अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने में समय बिताता था।

हाईकोर्ट बोला-पत्नी के साथ अननेचुरल सेक्स अपराध नहीं

कहा-सहमति नहीं फिर भी रेप का आरोप नहीं लगा सकती, 2017 में महिला की हो चुकी मौत

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सोमवार को पति-पत्नी के संबंधों को लेकर अहम फैसला सुनाया। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की बेंच ने कहा कि अननेचुरल सेक्स करने पर भी पत्नी अपने पति पर रेप या अप्राकृतिक कृत्य करने का आरोप नहीं लगा सकती, जब तक वह नाबालिग न हो।

इस टिप्पणी के साथ ही हाईकोर्ट ने पत्नी के साथ रेप और अननेचुरल सेक्स के आरोपी पति को बरी करने का आदेश दिया है। साथ ही कहा है कि उसे तत्काल रिहा किया जाए। हालांकि पति पर आरोप लगाने वाली पत्नी की 2017 में मौत हो चुकी है।

अब जानिए क्या था पूरा मामला: दरअसल, जगदलपुर के बोधघाट थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला ने 11 दिसंबर 2017 को अपने पति के खिलाफ अननेचुरल सेक्स का केस दर्ज कराया था। महिला ने बताया था कि उसके मर्जी के खिलाफ पति ने उससे अननेचुरल सेक्स किया है, जिससे वह बीमार पड़ गई। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के सामने महिला ने बयान दर्ज कराया था, जहां अपने साथ हुए यौन शोषण का बताया। इस दौरान महिला की हालत बिगड़ती गई और उसकी जान चली गई।

कोर्ट ने गैरइरादतन हत्या के लिए दोषी ठहराया: मरने से पहले महिला के दिए बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ धारा 376 और 377 के तहत केस दर्ज किया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। मामले में ट्रायल चला, तब कोर्ट ने पति को धारा 377, 376 और 304 यानी की गैरइरादतन हत्या के लिए दोषी ठहराया।

बुजुर्ग महिला से गैंगरेप के दोषियों को उम्रकैद की सजा

ग्वालियर कोर्ट ने कहा-बलात्कार आत्मा पर गहरा घाव, ऐसे अपराधियों के लिए नरमी नहीं

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर में चार साल पहले 60 साल की बुजुर्ग महिला से गैंगरेप के दोषी हलवाई और उसके सहयोगी को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। आरोपियों ने महिला से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की कोशिश भी की थी।

एक आरोपी को पीड़िता ने अंधेरा होने की वजह से पहचानने से इनकार कर दिया था। लेकिन डीएनए रिपोर्ट में वारदात में दोनों आरोपियों की सहभागिता की पुष्टि हुई थी। इसके बाद कोर्ट ने दोनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

फैसला सुनाते समय कोर्ट ने कहा: बलात्कार केवल एक शारीरिक आघात नहीं, बल्कि आत्मा पर एक गहरा घाव है, जो कभी भरा नहीं जा सकता है। ये एक ऐसा अपराध है जो आत्मसम्मान को क्षति पहुंचाता है। सामाजिक प्रतिष्ठा को नष्ट कर देता है। ऐसे अपराधी के प्रति नरमी नहीं दिखाई जा सकती है। कठोर सजा देना भी कठोर कानून की आत्मा के अनुरूप ही है।

महिला के हाथ-पैर बांधकर किया था गैंगरेप: अपर लोक अभियोजक मिनी शर्मा ने बताया कि, गिरवाई थाने में 24 मार्च 2021 को बलात्कार का केस दर्ज कराया गया था। पीड़िता एक हलवाई के साथ पूड़ी बेलने का काम करती थी। 23 मार्च की रात को पीड़िता को हलवाई का सहयोगी राजू उर्फ भरत निवासी बेलदार का पुरा बुलाकर ले गया था। रास्ते में हलवाई कालू उर्फ दिलीप पाल निवासी दर्जीओली भी मिल गया था।

वे गोल पहाड़िया से ई-रिक्शा में बैठ गे। उसे शीतला माता मंदिर की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर ले गए। वहां पर पीड़िता के हाथ-पैर बांध दिए और उसके साथ गैंगरेप किया। वारदात को अंजाम देने के बाद कहा कि अगर इस बारे में किसी को कुछ बताया तो जान से मार देंगे।

अपर लोक अभियोजक के मुताबिक आरोपियों ने महिला पर चाकू से वार भी किए, जिससे उसे चोटें भी आईं। बेहोश होने पर उसे मृत समझकर आरोपी मौके से भाग आए। अगले दिन कुछ लोग जंगल पहुंचे तो बजुर्ग महिला निर्वस्त्र हालत में पड़ी मिली थी। उसे हॉस्पिटल ले जाया गया था।

डीएनए से हुई दूसरे आरोपी के अपराध की पुष्टि: कोर्ट में दिए बयान में पीड़िता ने एक आरोपी दिलीप पाल (हलवाई) को पहचाने से इनकार कर दिया था। इस वजह से वो छूट गया था, लेकिन घटना के समय महिला के शरीर पर मिले कुछ तत्वों का पुलिस ने डीएनए टेस्ट कराया था।

इसमें महिला के साथ दुष्कर्म करने वालों में राजू के साथ दिलीप के भी होने की पुष्टि हुई थी। डीएनए रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट ने कालू और राजू को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोनों को जेल भेज दिया गया है।

कार और ट्रक की टक्कर, दो दोस्तों की मौत

जेसीबी की मदद से बाहर निकाला, मरने वालों में चार बहनों का इकलौता भाई भी

गोविंद कुशवाह

नितिन गवली

आगर मालवा (एजेंसी)। आगर-मालवा में कार और ट्रक की टक्कर हो गई। कार राइट साइड पलट गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। एक अन्य की हालत गंभीर है। ट्रक ड्राइवर मौके से भाग निकला।

एक्सीडेंट मंगलवार देर रात महुड़िया जोड़ के पास हुआ। जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग पहुंचे। जेसीबी की मदद से कार को सीधा किया। इसमें तीन लोग फंसे थे। उन्हें निजी वाहन और एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया।

हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि तेज रफ्तार कार सामने से आ रहे ट्रक से साइड से जा टकराई।

ढाबा संचालक बोला-धमाके की आवाज सुनकर पहुंचे: कोतवाली थाना प्रभारी अनिल कुमार मालवीय ने बताया- ट्रक नंबर एमपी 17 एचएच 1820 और कार नंबर एमपी 70 सी 0590 के बीच टक्कर हो गई। इसमें कार सवार 25 वर्षीय गोविंद कुशवाहा और 25 वर्षीय नितिन गवली की मौके पर ही मौत हो गई। राजा गवली घायल है, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसा एक ढाबे के सामने हुआ, जहां लगे सीसीटीवी कैमरे में इसका वीडियो कैद हो गया। ढाबा संचालक पवन यादव ने बताया, 'रात करीब 10.48 बजे धमाके की आवाज आई। हम तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस और एंबुलेंस को कॉल किया। गांव से जेसीबी बुलवाई। इसकी मदद से कार सवारों को निकालकर हॉस्पिटल पहुंचाया।'

इकलौता बेटा था फोटोग्राफर: गोविंद के मामा कमल सिंह ने कहा, 'गोविंद फोटोग्राफी का काम करता था। वह और नितिन अच्छे दोस्त थे। मंगलवार को नितिन की मौसेरी बहन के माता पूजन के लिए उज्जैन जिले के तराना गए थे। लौटते वक्त हादसा हो गया।'

कमल ने बताया कि गोविंद और नितिन की शादी नहीं हुई थी। गोविंद के पिता घीसालाल कुशवाह का 2014 में निधन हो चुका है। वह चार बड़ी बहनों के बाद इकलौता भाई था।

वहीं, नितिन की बुआ के लड़के हेमंत गवली ने बताया कि वह गाड़ी शोरूम पर काम करता था। पिता हीरालाल मजदूरी करते हैं। छोटा भाई राज गवली भी इस दुर्घटना में घायल हुआ है।

एसपी बोले- कार चालक की लापरवाही दिखी: एसपी विनोद कुमार सिंह ने बताया- घटना में कार चालक की लापरवाही दिख रही है। जहां दुर्घटना हुई, वहां किसी तरह की कोई तकनीकी खामी या मोड़ नहीं था। ट्रक सामान्य गति से अपनी लेन में चल रहा था। कार उससे जा भिड़ी।

एहतियात के तौर पर अब हम 10-15 वाहनों को रोककर छोड़ेंगे ताकि वाहनों की स्पीड नियंत्रित रहे। ड्राइवरों को सावधानीपूर्वक वाहन जलाने की समझाइश दी जाएगी।

नकली अंगूठा बनाकर 20 लाख की ठगी की

ग्लू गन से थंब क्लोन बनाया, खातों से निकाले पैसे, एक गिरफ्तार

शिवपुरी (एजेंसी)। शिवपुरी जिले के खनियाधाना में ग्लू गन से नकली अंगूठा बनाकर लाखों की ठगी करने वाला युवक गिरफ्तार हुआ है। गिरोह में शामिल एक महिला और तीन अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पिछले तीन सालों में आरोपियों ने 200-250 लोगों से करीब 20 लाख रुपए की ठगी की।

आरोपी मजदूरों को केवाईसी अपडेट करने के बहाने उनके अंगूठों पर चिपचिपा पदार्थ लगाकर नकली थंब प्रिंट तैयार करते थे। फिर ईपीएस के जरिए पीड़ितों के खातों से पैसे निकाल लेते थे। गिरोह ने ठगी के पैसों से खनियाधाना के राजापुर चौराहा पर 5 लाख रुपए का एक प्लॉट खरीदा और उस पर आठ दुकानें भी बनवा लीं।

केवाईसी के नाम पर अंगूठे का स्कैन किया: मामले का खुलासा तब हुआ जब बल्लो बाई नाम की एक आदिवासी महिला ने 11 फरवरी को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि चार-पांच महीने पहले मजदूरी के लिए सिमलार गई थीं, जहां आरोपी भूपेन्द्र लोधी ने केवाईसी के नाम पर उनके अंगूठे का स्कैन किया। बाद में, जब बल्लो बाई अपने खाते से पैसे निकालने गईं, तो पता चला कि 5, 7 और 9 अक्टूबर 2024 को उनके खाते से 30,000 रुपए निकाले जा चुके हैं।

दो दोस्तों और साली के साथ मिलकर बनाया गिरोह: पुलिस 11 फरवरी को मुख्य आरोपी भूपेन्द्र लोधी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में भूपेन्द्र लोधी ने कबूल किया कि उसके पास खुद का कियोस्क बैंक है। उसने अपने दो दोस्त धर्मवीर यादव (लौटन, मायापुर), महावीर यादव (लौटन, मायापुर) के साथ मिलकर गिरोह बनाया था। इसमें उसने अपनी साली करीना लोधी (कछउआ, पिछोर) को भी गिरोह में शामिल कर लिया था। उसने बताया कि अब तक 200-250 लोगों से करीब 20 लाख रुपए ठग चुके हैं।

161 नकली थंब क्लोन-थंब स्कैनर बरामद: भूपेन्द्र लोधी ने पुलिस को बताया कि उन्होंने नकली थंब क्लोन को अलग-अलग पन्नियों में रखा था, जिसमें संबंधित व्यक्ति का नाम, आधार नंबर और बैंक का नाम भी लिखा था। पुलिस ने आरोपी के पास से 161 नकली थंब क्लोन (ग्लू से बनाए गए), वीवो कंपनी का मोबाइल, ग्लू गन और 5 ग्लू स्टिक, एक ओटीजी और थंब स्कैनर के साथ-साथ 30 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं।

महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष के बेटे पर रेप का आरोप

इंदौर की पीड़ितों से ठगे लाखों रुपए, कुंडली दोष का बहाना बनाकर शादी से किया इनकार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में एक युवती ने बीजेपी की महिला नेता के बेटे पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। बताया कि बुरहानपुर महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष किरण रायकवार के बेटे वतन रायकवार ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए और लाखों रुपए ठग लिए। लेकिन, जब शादी की बात आई, तो उसकी मां किरण ने जातिसूचक टिप्पणी करते हुए रिश्ता तोड़ दिया। पीड़िता ने लसुड़िया थाने में दिसंबर में इसकी शिकायत की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई तो हाल ही में सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत की है।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में यह कहा: इंदौर के लसुड़िया थाने में पीड़िता ने शिकायत की है। बताया- वतन रायकवार ने 13 मार्च 2023 को प्रपोज किया था। मैंने कहा कि यदि शादी करना हो तो मैं आपसे रिश्ता बनाऊंगी, अन्यथा आपकी दोस्त ही अच्छी हूं।

उसने मुझे कहा कि मैं तुमसे शादी करूंगा और हम दोनों साथ रहेंगे। मैं उसे उसके फ्लैट पर जाकर मिली। वहां उसका चचेरा भाई इंद्रजीत रायकवार भी साथ रहता था। मैं उसकी बातों में आ गई। उसके भाई इंद्रजीत रायकवार ने भी मुझसे कहा कि वचन आपसे बहुत प्यार करता है और आपसे शादी करना चाहता है। 8 दिन हम बात करते रहे और मैंने उसे हां कर दिया। उसके कुछ ही दिन बाद उसने शारीरिक संबंध बनाने के लिए कहा। मैंने कहा कि क्या तुम सच में शादी करोगे तो भी उसने हां कहा।

साल 2023 में उसने मुझे अपने साथ फ्लैट में रहने के लिए कहा। बोला कि मैं एक दिन भी तेरे बिना नहीं रह सकता हूं। मैं उसकी झूठी बातों में आकर अपने घर वालों को झूठ बोलकर उसके साथ रहने लग गई। कुछ समय बाद हमारे बारे में मेरे माता-पिता को पता चल गया। मेरे घर वालों ने कहा कि उसके माता-पिता से बात करके शादी कर लो। हम ऐसे साथ नहीं रहने देंगे। इसके बाद वतन ने अपनी मम्मी किरण रायकवार से बात की। वे हमारे घर शादी का रिश्ता लेकर आए।

महाकाल मंदिर में प्रवेश का नया द्वार तैयार

15 को सीएम करेंगे रूद्र सागर ब्रिज का लोकार्पण, शक्ति पथ से सीधे मिलेगी एंट्री

उज्जैन (एजेंसी)। 15 फरवरी से महाकाल मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक नया प्रवेश द्वार खुल जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 करोड़ की लागत से रूद्र सागर पर बने ब्रिज का लोकार्पण करेंगे। जिसके बाद श्रद्धालु शक्ति पथ से सीधे महाकाल मंदिर पहुंच सकेंगे। इससे चारधाम मंदिर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए करीब डेढ़ किमी की दूरी कम हो जाएगी। महाकाल मंदिर आने वाले दर्शनार्थियों को अब एक नया प्रवेश द्वार मिलने जा रहा है। गणेश नगर हायर सेकेंडरी स्कूल के सामने बने ब्रिज की शुरुआत होने जा रही है। उज्जैन स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर के पीछे वाले हिस्से में रूद्र सागर के ऊपर शक्ति पथ से मानसरोवर तक जाने के लिए करीब ढाई वर्ष पहले मई-2022 में ब्रिज का काम शुरू किया गया था। ब्रिज 200 मीटर लंबा और सात मीटर चौड़ा बनाया गया है। ब्रिज के मध्य 19 मीटर चौड़ी जगह रखी गई है। ब्रिज का निर्माण 2023 नवंबर से पहले होना तय हुआ था। लेकिन करीब डेढ़ वर्ष देरी से इसका काम पूरा हो पाया है।

ब्रिज पर खड़े होकर लाइट एंड साउंड शो का मजा ले सकेंगे भक्त: 15 फरवरी से ब्रिज की शुरुआत होने के बाद श्रद्धालु सीधे मानसरोवर पहुंचेंगे। भक्त ब्रिज पर खड़े होकर जल्द ही महाकाल मंदिर में शुरू होने वाले लेजर लाइट एंड साउंड शो का भी मजा ले सकेंगे। यहां पांच सौ से अधिक श्रद्धालु एक साथ खड़े होकर महालोक का सुंदर दृश्य और लेजर लाइट एंड साउंड के शो देख सकेंगे। श्रद्धालु ब्रिज से भगवान शिव के प्राकट्य और उज्जयिनी की गौरव गाथा देख-सुन पाएंगे।

लोकार्पण के बाद भक्तों के लिए इसे खोल दिया जाएगा: उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह ने कहा कि महाकाल मंदिर के श्रद्धालुओं को नई सुविधा मिल पाएगी।

इंदौर में सोना 87 हजार पार, बना रिकॉर्ड

7 महीने में 16 हजार रुपए महंगा हुआ, एक्सपर्ट्स बोले- 90 हजार तक जा सकता है भाव

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में सोने के भाव ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। 24 कैरेट सोना 87,200 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया है। पिछले सात महीनों में सोने के भाव में करीब 16,300 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई 2024 में केंद्र सरकार ने इम्पोर्ट ड्यूटी 15% से घटाकर 6% करने के बाद सोने के भाव 77,000 रुपए तक पहुंचे थे। वर्तमान में सोने की कीमतों में तेजी के पीछे कई कारण हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति के बदलाव से बढ़े भू-राजनीतिक तनाव, फेडरल रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती और चीन की सोना खरीद नीति प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी और बढ़ती महंगाई ने भी सोने की कीमतों को सपोर्ट दिया है। शेयर बाजार में अस्थिरता के कारण निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की ओर रुख कर रहे हैं।

वर्तमान में 22 कैरेट सोना 79,900 रुपए, 20 कैरेट 72,650 रुपए और 18 कैरेट 65,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। चांदी की कीमतों में मामूली गिरावट देखी गई है, जो 700 रुपए घटकर 95,000 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में सोना 90,000 रुपए और चांदी 1.10 लाख रुपए प्रति किलो तक पहुंच सकती है। सोना 11 फरवरी को ऑल टाइम हाई पर आ गया है। आगे क्या रुख रहेगा, क्या सोना एक लाख रुपए क्रॉस करेगा, चांदी की कीमतें कहां तक जाएंगी, जुलाई से अब तक सोना-चांदी का क्या ट्रेंड रहा है।

1 जनवरी से अब तक सोना 9,206 महंगा हुआ: इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 9,206 रुपए बढ़कर 85,368 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 8,923 रुपए बढ़कर 94,940 रुपए पर पहुंच गया है।

देश के सबसे बड़े रविदास मंदिर का ड्रोन, सागर में बिना लोहा इस्तेमाल किए बन रहा, बजट की पहली किस्त खत्म, काम रुका

सागर (एजेंसी)। सागर के बड़तूमा में 101 करोड़ रुपए से देश का सबसे बड़ा संत रविदास का भव्य मंदिर और कला संग्रहालय का निर्माण कराया जा रहा है। यह मंदिर और संग्रहालय 11 एकड़ जमीन पर नागर शैली से आकार लेने लगा है। अब तक 50 से 60 फीसदी काम हो चुका है। मंदिर परिसर का आकार अब नजर आने लगा है। मंदिर निर्माण पूरा करने की समय-सीमा अगस्त 2025 तय की गई थी, लेकिन बजट के अभाव में मंदिर निर्माण का काम प्रभावित हुआ है। अब 2026 तक मंदिर का कार्य पूरा होने की संभावना है। परिसर में 10 हजार वर्गफीट क्षेत्र में संत रविदास महाराज के मंदिर का निर्माण होगा।

बता दें कि मंदिर निर्माण में लोहे के बजाय पत्थर, रेत, गिट्टी का उपयोग होगा। मंदिर निर्माण में राजस्थान के भरतपुर के रुदावल क्षेत्र के वंशी पहाड़पुर का पत्थर लगाया जा रहा है। इसी पत्थर का उपयोग अयोध्या में भगवान रामलाल के भव्य मंदिर के निर्माण में किया गया था। केंद्र और राज्य सरकार संत रविदास मंदिर के निर्माण की लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। रविदास मंदिर का भूमिपूजन होने के बाद 1 सितंबर 2023 से निर्माण कार्य शुरू किया गया था।

25 करोड़ का बजट खत्म, काम प्रभावित हुआ: संत रविदास मंदिर निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में शासन से 25 करोड़ की राशि जारी की गई थी। लेकिन यह राशि लगभग खत्म हो गई है। इस कारण मंदिर का निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है। दिसंबर माह से ज्यादातर काम बंद है। राजस्थान से आए कारीगरों को वापस भेज दिया है। करीब 15 कारीगर ही पत्थरों को आकार देने और फिनिशिंग का कार्य कर रहे हैं।

टूरिज्म सब इंजीनियर बोले- 50-60% काम ही हुआ: टूरिज्म के सब इंजीनियर पवन धाकड़ ने बताया कि मंदिर का निर्माण कार्य 50-60 प्रतिशत हो चुका है। मंदिर के गर्भग्रह का वंशी पहाड़पुर के लाल और गुलाबी पत्थर से तैयार किया जा रहा है। लेकिन वर्तमान में बजट के अभाव में निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है। ज्यादातर काम बंद पड़ा है। बजट के लिए शासन को पत्राचार किया गया है। बजट जारी होते ही काम में तेजी आएगी। तय समय-सीमा अगस्त 2025 तक मंदिर का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाएगा। वर्ष 2026 तक निर्माण कार्य पूरा करने की पूरी कोशिश की जाएगी।

तत्कालीन ष्टरूने की थी मंदिर निर्माण की घोषणा, पीएम ने किया था भूमिपूजन: 8 फरवरी 2023 को सागर के कजलीवन मैदान में आयोजित संत रविदास महाकुंभ में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सागर के बड़तूमा में 100 करोड़ रुपए की लागत से संत रविदास महाराज का मंदिर निर्माण कराने की घोषणा की थी। जिसके बाद 12 अगस्त 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सागर आकर मंदिर का भूमिपूजन किया था। 1 सितंबर 2023 से मंदिर का निर्माण कार्य शुरू किया गया। मंदिर निर्माण की समय-सीमा अगस्त 2025 तय की गई है।

डोरमेट्री और भक्त निवास के दो-दो तलों का निर्माण हुआ: मप्र टूरिज्म के असिस्टेंट इंजीनियर मनीष डेहरिया ने बताया कि मंदिर निर्माण का कार्य लगातार किया जा रहा है। जिसमें अभी तक निर्माण एजेंसी ने करीब 50 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। उन्होंने बताया कि मंदिर का फाउंडेशन कार्य पूरा हो चुका है। म्यूजियम फाउंडेशन का कार्य चल रहा है। डोरमेट्री के दो तल, भक्त निवास के दो तल, बाउंड्रीवाल, कुंड कालोनेड स्ट्रक्चर फाउंडेशन का कार्य प्रगति पर है। टॉयलेट ब्लॉक स्ट्रक्चर, लाइब्रेरी और कैफेटेरिया का कार्य पूरा हो रहा है।

सिकंदरा और भरतपुर के शिल्पकार कर रहे नक्काशी: संत रविदास मंदिर निर्माण में उपयोग होने वाले सेंड स्टोन पर नक्काशी करने के लिए राजस्थान के सिकंदरा, भरतपुर और उदयपुर से शिल्पकार सागर आए हैं। 150 से अधिक शिल्पकार मंदिर में लगने वाले पत्थरों को आकार देने में लगे हुए हैं। हालांकि कुछ कारीगर वापस लौट गए हैं। सिकंदरा के शिल्पकार पत्थर को मूर्त रूप देने के लिए देश समेत विदेशों में पहचाने जाते हैं।

महिला टीचर ने छात्राओं से पैर दबवाए, शिकायत करने पहुंचे परिजनों से बोलीं- पढ़ाने लायक नहीं, तो हटवा दो

सिवनी (एजेंसी)। सिवनी में महिला टीचर का छात्राओं से पैर दबवाने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो में टीचर सुजाता मड़के कुर्सी पर बैठी 6-7 छात्राओं से पैर दबवाती हुई दिख रही हैं। वीडियो 10-15 दिन पुराना बताया गया। बुधवार को इसके सामने आते ही आदिवासी जनजाति विभाग की क्षेत्र संयोजक पूजा उइके ने मामले को जांच में लिया। मामला जिले के डूंडा सिवनी थाना क्षेत्र के जनता नगर के आदिवासी आश्रम का है। महिला टीचर को आज निलंबित किया गया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सोशल मीडिया एक्स पर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए लिखा, भाजपा सरकार में आदिवासियों का सम्मान तो कभी नहीं हुआ, अब देवी समान बेटियों का भी अपमान किया जा रहा है।

टीचर बोली- गलत इल्जाम लगाए जा रहे: घटना की जानकारी मिलते ही गुस्साए परिजन महिला टीचर सुजाता मड़के से बात करने पहुंचे। टीचर ने कहा फाउंडेशन लिट्रेसी एंड न्यूमेरिसी की ट्रेनिंग हुई है, जिसमें बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा देना सिखाया जाता है। मुझ पर गलत इल्जाम लगाया जा रहा है। मैं बच्चों को गणित की पढ़ाई करा रही थी। बच्चियां मेरी उंगलियां और टेबल के नीचे रखे पत्थर गिन रही थीं। यदि आपको लगता है कि मैं आपके बच्चों को पढ़ाने लायक नही हूं तो हटा दीजिए।

पंकज आडवाणी ने अपने नाम किया 36वां गोल्ड मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने अपने नाम एक और उपलब्धि कर ली है। दरअसल, पंकज ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इंदौर के यशवंत क्लब में अपना 36वां राष्ट्रीय खिताब और 10वां पुरुष स्नूकर खिताब हासिल किया। शुरुआती झटके से उबरते हुए फाइनल में पंकज ने ब्रिजेश दमानी को हराया, जहां ब्रिजेश दमानी शुरुआत में कामयाब रहे लेकिन पूरे मैच में उन्होंने लगातार प्रयास किए। बता दें कि इस टूर्नामेंट से एशियाई और वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए एकमात्र चयन किया जाता है। दरअसल, फाइनल मैच में आडवाणी ने अंतिम फ्रेम में 84 का प्रभावशाली ब्रेक दिया और इस फ्रेम के साथ ही मैच और चैंपियनशिप अपने नाम कर दी। थी आडवाणी ने चैंपियनशिप जीतने के बाद कहा कि ये एकमात्र प्रतियोगिता थी जिसके प्रदर्शन के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए भारतीय प्रतिनिधियों का चयन किया जाएगा। इसलिए इस प्रतियोगिता में काफी कुछ दाव पर लगा था। बता दें कि, दमानी ने ग्रुप चरण में आडवाणी को हराया था, लेकिन फाइनल में वह इस अनुभवी खिलाड़ी के खिलाफ अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए। दमानी के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में आडवाणी केवल एक फ्रेम जीतने में सफल रहे थे।

चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा-शास्त्री

दुबई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर और भारतीय टीम के कोच रहे रवि शास्त्री ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान टीम को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। इसलिए अन्य टीमों को जीत दर्ज करने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पाक टीम मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में उतरेगी। शास्त्री के अुनसार घरेलू हालातों में पाक टीम खतरनाक साबित हो सकती है। पाक1996 में विश्व कप के बाद पहली बार किसी सीनियर आईसीसी इवेंट की सह-मेजबानी करेगा। शास्त्री ने कहा, जब आप उपमहाद्वीप में अपने घरेलू मैदान पर खेलते हैं तो हमेशा ही दबाव होता है। फिर चाहे वह भारत हो, श्रीलंका हो, बांग्लादेश हो या पाकिस्तान क्योंकि सभी को अपनी टीमों से काफी उम्मीदें होती हैं पर मुझे लगता है कि पाक ऐसी टीम है, जिसने पिछले छह से आठ महीनों में सफेद गेंद वाले क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है जिसका उसे लाभ मिल सकता है। शास्त्री ने कहा कि पाक टीम इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। साथ ही कहा कि एक बार नॉकआउट में पहुंचने के बाद वह खतरनाक साबित होगी। शास्त्री ने कहा, उन्हें शीर्ष पर युवा सलामी बल्लेबाज सैम अयूब की कमी खलेगी पर उसके बल्लेबाज क्रम में पर्याप्त गहरायी है। मैं कहूंगा कि उन्हें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करना चाहिए और वहां से, यह किसी का भी खेल हो सकता है। पाकिस्तान अभी भी बहुत, बहुत खतरनाक है।

डब्यूपीएल में यूपी वॉरियर्स की कप्तानी करेंगी दीप्ति

मुम्बई (एजेंसी)। 14 फरवरी से शुरु होने वाली महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा (डब्यूपीएल) में दीप्ती शर्मा यूपी वॉरियर्स की कप्तानी करती दिखेंगी। इसका कारण है कि एलिसा हीली फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं। दीप्ति ने पिछले कुछ सालों में टीम इंडिया की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है। 14 फरवरी से महिला प्रीमियर लीग शुरु होगी। महिला प्रीमियर लीग के पहले दो सत्र में खास प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली यूपी वॉरियर्स का लक्ष्य इस बार बेहतर प्रदर्शन करना है। इसी कारण उसने दीप्ति को कप्तानी सौंपी है। दीप्ति महिला प्रीमियर लीग में हैट्रिक लेने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। उनका पिछले दो सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वह टीम की सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक है।दीप्ति की इस टीम में ताहलिया मैक्ग्रा, चमारी अट्टापट्टू, ग्रैस हैरिस जैसी कुछ शानदार खिलाड़ी है।

शेफाली काफी अच्छी लय में है, उम्मीद है कि वह इसे डब्ल्यूपीएल में जारी रखेगी -मेग लैनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग ने उम्मीद जताई कि भारत की विस्फोटक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा घरेलू क्रिकेट की अपनी शानदार फॉर्म को शुक्रवार से शुरू हो रही महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के तीसरे सत्र में भी बरकरार रखेगी। नवंबर 2024 में ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने में नाकाम रहीं शेफाली ने हाल में घरेलू मुकाबलों में हरियाणा की ओर से शानदार प्रदर्शन किया जिससे संकेत मिलते हैं कि उन्होंने लय हासिल कर ली है।

लैनिंग ने दिल्ली कैपिटल्स की सत्र पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''ऐसा लग रहा है कि वह काफी अच्छी लय में है और अपने खेल का लुत्फ उठा रही है जो मुझे लगता है कि काफी महत्वपूर्ण है। मेरे लिए उसे आजादी से खेलते हुए देखना, खुद को अभिव्यक्त करते हुए देखना शानदार है और जब वह ऐसा करती है तो यह हमारी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।'' शेफाली सीनियर महिला एकदिवसीय ट्रॉफी में 75.29 की औसत से 527 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं जबकि सीनियर महिला एकदिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी में दाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने 82.80 की औसत से 414 रन बनाए।

दोनों ही मौकों पर उन्होंने 150 के करीब के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद लैनिंग ने डब्ल्यूपीएल 2025 से पहले अधिक मुकाबले नहीं खेले हैं। यह पूछने पर कि वह खेल से कैसे जुड़ी हुई हैं? लैनिंग ने कहा, ''मैं डब्ल्यूएनसीएल (महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग) में विक्टोरिया के लिए कुछ मैच खेली। मुझे लगता है कि मैच खेलना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इस नजरिये से वे मुकाबले मेरे लिए शानदार रहे।

मुंबई ने हरियाणा को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी 2025 को दूसरा सेमीफाइनलिस्ट मिल गया है। दरअसल, टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल 3 में मंगलवार को डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई ने हरिणाया को 153 रन से रौंध दिया। इस जीत के साथ मुंबई ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फास्ट गेंदबाज ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर और कप्तान अजिंक्या रहाणे ने मुंबई की इस जीत के अहम भूमिका निभाई। पहली पारी में 315 रन बनाने वाली मुंबई ने दूसरी पारी में 339 रन बनाए। हरियाणा को 354 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में हरियाणा की टीम 201 रनों पर सिमट गई। मुंबई के लिए दूसरी पारी में रॉयस्टन डायस ने सबसे ज्यादा 5 विकेट बनाए। पहली पारी में 6 विकेट लेने वाले शार्दुल ठाकुर ने दूसरी पारी में 3 विकेट लिए। उन्होंने कुल 9 विकेट झटके।

मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे पहली पारी में अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए थे। उन्होंने 31 रन बनाए थे। दूसरी पारी में उन्होंने 108 रन बनाए। इसके अलावा भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 70 रन की पारी खेली। शिवम दुबे ने 48 रन बनाए। मुंबई ने 339 रन का बड़ा स्कोर बनाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए हरियाणा की शुरुआत अच्छी नहीं रही। लक्ष्य दलाल 64 और सुमित कुमार 62 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज नहीं टिका। 7 बल्लेबाज दहाई का आकंड़ा नहीं छू पाए। मुंबई के लिए रॉयस्टन डायस ने 5, शार्दुल ठाकुर ने 3 और तनुष कोटियान ने 2 विकेट झटके।

गौतम गंभीर की कोचिंग स्टाइल से नाखुश नहीं हैं जहीर खान

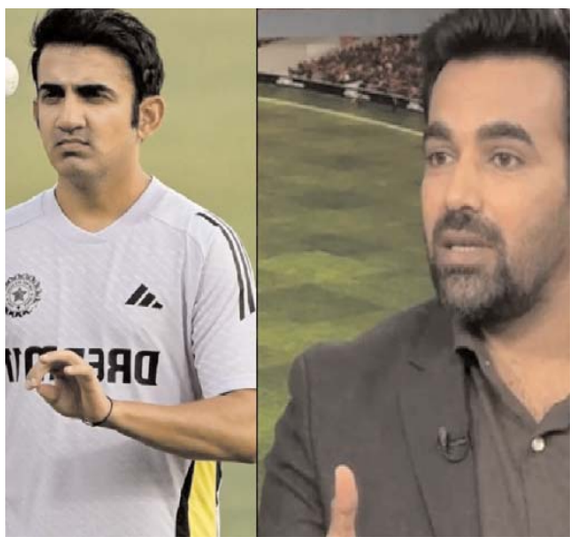

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर की कोचिंग पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, ये पहले ही माना जा रहा था कि अगर गौतम गंभीर हेड कोच बनते हैं तो तीनों फॉर्मेट में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। बहरहाल, अब पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने गौतम गंभीर पर बड़ा बयान दिया है। जहीर खान का मानना है कि अधिक बदलाव और फ्लेक्सिबिलिटी के चक्कर में टीम में असुरक्षा का भाव आएगा। साथ ही ये टीम को नुकसान पहुंच सकता है।

जहीर खान ने कहा कि अगर आप टीम में बदलाव के सय कुछ नियमों की अनदेखी करते हैं तो मुख्य खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है। आपने कहा कि आपके पास लचीलापन होना चाहिए, नंबर एक और दो तय रहेंगे, लेकिन बाकी लचीले होंगे। जहीरने कहाकि अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको नियमों के दायरे में रहना होगा। कुछ प्रोटोकॉल हैं जिनका पालन करना होता है। साथ ही कुछ बातचीत होनी चाहिए, जिससे चीजें बेहतर हों। अगर ऐसा नहीं होता तो आप असुरक्षा पैदा कर रहे हैं, जो आगे चलकर टीम के हित में नहीं होगा।

इसके अलावा जहीर ने राहुल द्रविड़ और गौतम गंभीर की कोचिंग स्टाइल पर बात रखी। जहीर ने कहा कि अगर आप राहुल द्रविड़ और गौतम गंभीर के मानसिकता की तुलना करें तो ये स्थिति सामान्य नहीं है। ये तो समय ही बताएगा कि गौतम गंभीर के नए प्रयोग से भारतीय टीम को नफा होता है या नुकसान।

कलिंगा स्टेडियम में एचपीसी भविष्य के चैंपियन तैयार करने की नींव हैं-खडस

भुवनेश्वर (एजेंसी)। खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने कलिंगा स्टेडियम में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा स्थापित करने के लिए ओडिशा सरकार की सराहना की और कहा कि ऐसी सुविधाएं देश के भविष्य के चैंपियन तैयार करने की नींव रखेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसी सुविधाएं भारत को 'खेल महाशक्ति' बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। खडसे ने ओडिशा की राजधानी की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान कहा, ''कलिंगा स्टेडियम जैसी सुविधाओं के साथ हम भविष्य के चैंपियन तैयार करने की नींव रख रहे हैं जो देश को गौरव दिलाएंगे। ये केंद्र भारत को खेल महाशक्ति बनाने के सरकार के दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण हैं।'' अपनी यात्रा के दौरान खडसे ने कलिंगा स्टेडियम परिसर का दौरा किया जहां उन्होंने राज्य में खिलाड़ियों के विकास के लिए समर्पित तीन हाई परफोर्मेंस केंद्रों (एचपीसी) की कार्यशैली का जायजा लिया। खडसे ने अभिनव बिंद्रा टार्गेटिंग परफोर्मेंस केंद्र (एबीटीपीसी), नवल टाटा हॉकी हाई परफोर्मेंस केंद्र और डालमिया भारत पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी का दौरा किया।

जसप्रीत बुमराह हुए बाहर ? तो ये खिलाड़ी ले सकते हैं उनकी जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का काउंटडाउन शुरू हो गया है। 19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में इस टूर्नामेंट के मुकाबले खेले जाने है। टीम इंडिया अपने सारे मैच दुबई में खेलेगी। इस टूर्नामेंट के लिए सभी 8 देशों ने अपनी स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है।

सभी टीमों के आखिरी पास है और अपनी स्क्वॉड में बदलाव करने का। इस बीच भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह कौन टीम में शामिल होता है, इस पर चर्चा जोरों पर हैं। ईएसपीएनक्रिकइन्फो ने ये दावा किया है कि बुमराह चैंपियंस ट्रॉपी में नहीं खेलेंगे या नहीं खेलेंगे इसका फैसला आज ही हो जाएगा। अगर बुमराह इंजरी के कारण टूर्नामेंट से बाहर होते हैं तो कौन उनकी जगह ले सकता है।

हर्षित राणा

जसप्रीत बुमराह अगर इंजरी के चलते चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बाहर होते हैं तो हर्षित राणा उनकी जगह ले सकते हैं। हर्षित ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे डेब्यू किया है। हाल ही में उन्होंने अपने डेब्यू मैच में 4 विकेट लेकर तलहका मचाया। उन्हें मौका देना तो जल्दबाजी होगी लेकिन जिस तरह से उन्होंने प्रदर्शन किया है उसने हर किसी का दिल जीत लिया है। इसलिए उन्हें बुमराह का रिप्लेसमेंट माना जा रहा है।

मोहम्मद सिराज

जसप्रीत बुमराह अगर फिट नहीं होते तो मोहम्मद सिराज उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रिप्लेस कर सकते हैं। सिराज को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं मिली और और ना ही उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चुना गया, लेकिन अनुभव होने के कारण सिराज को इस टूर्नामेंट में बुमराह का रिप्लेसमेंट बनाया जा सकता है। सिराज ने अब तक 44 वनडे मैच खेलते हुए 71 विकेट लिए हैं।

शार्दुल ठाकुर

वहीं जसप्रीत बुमराह के रिप्लेसमेंट के तौर पर शार्दुल ठाकुर को भी देखा जा रहा है। शार्दुल ठाकुर ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। अपनी ऑलराउंडर क्षमता के कारण से शार्दुल टीम को बैटिंग और बॉलिंग में अहम योगदान दे सकते हैं। रणजी ट्रॉफी 2024-25 में वह कमाल का परफॉर्म कर रहे हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर टीम के खिलाफ 51 और 119 रन की पारी खेली थी।

मेघालय के खिलाफ उन्होंने बल्ले से 84 रन और गेंद से दोनों पारियों में 8 विकेट झटके।

विराट कोहली के इस खास क्लब में शामिल हो सकते हैं रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच 3 मैच की सीरीज का आखिरी वनडे 12 फरवरी 2025 को खेला जाएगा। भारत ने शुरुआती दोनों मैच जीतकर सीरीज पहले ही अपने नाम कर ली है। रोहित शर्मा ने कटक में खेले गए दूसरे वनडे में शतक लगाकर फॉर्म में वापसी की और कई रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किए। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाली तीसरे वनडे में भी उनके निशाने पर कई रिकॉर्ड होंगे। रोहित शर्मा अगर नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर 13 रन बना लेते हैं तो वह विराट कोहली के क्लब में सामिल हो जाएंगे। मतलब रोहित शर्मा एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में 11,000 रन बनाने वाले दुनिया के दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन जाएंगे। वनडे में सबसे तेज 11000 रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम पर है। विराट कोहली ने अपने 230वें वनडे की 222वीं पारी में 11,000 रन का आंकड़ा पार किया था। रोहित शर्मा ने अब

तक 267 वनडे इंटरनेशनल की 259 पारियों में 10,987 रन बनाए हैं। रोहित शर्मा ने 23 जून 2007 को बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ मैच से वनडे इंटरनेशनल में डेब्यू किया था। रोहित शर्मा एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में बतौर ओपनर 9,000 रन से सिर्फ 43 रन दूर हैं। रोहित शर्मा ने बतौर सलामी बल्लेबाज बन तक 178 पारियों में 55.63 के औसत और 96.29 के स्ट्राइक रेट से 8957 रन बनाए हैं। इसमें उनके 30 शतक और 44 अर्धशतक शामिल हैं। वह बतौर ओपनर अब तक 310 छक्के और 877 चौके लगा चुके हैं। रोहित शर्मा विजयी मुकाबलों में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में 7वें नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने 324 पारियों में 14070 रन बनाए हैं। इस मामले में टॉप पर रिकी पोंटिंग हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने 439 पारियों में 20140 रन बनाए थे। दूसरे नंबर पर विराट कोहली हैं। कोहली ने 354 पारियों में 17779 रन बनाए हैं। सचिन तेंदुलकर (345 पारियां, 17113 रन), साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान जैक्स कैलिस (333 पारियां, 14827 रन), श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा (317 पारियां, 14605 रन) और महेला जयवर्द्धने (345 पारियां, 14131 रन) क्रमशः तीसरे, चौथे, पांचवें और छठे नंबर पर हैं। रोहित शर्मा दूसरे वनडे के दौरान शुभमन गिल के साथ वनडे में सबसे ज्यादा रनरेट स्कोर करे वाले भारतीय जोड़ी भी बन गए।

भारत से चार लोगों का चयन, 11 से 16 मई तक होगी प्रतियोगिता

रीवा के ओपी दीक्षित आईटीएफ मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट खेलने जायेंगे अमेरिका के फ्लोरिडा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के रहने वाले बुजुर्ग भारत की ओर से मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट खेलने फ्लोरिडा जाएंगे। भारत से चयन में उनकी दूसरी रैंकिंग है। वे विश्व में 110 नंबर के खिलाड़ी हैं। बताया गया कि पिछले लगातार 9 आईटीएफ मास्टर टूर्नामेंट जीतने का रिकॉर्ड भी उनके नाम पर है। जहां 65 साल की उम्र में भी बुजुर्ग का टेनिस खेलने का जज्बा बरकरार है।

जानकारी के मुताबिक, रीवा के ओपी दीक्षित आईटीएफ मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट खेलने अमेरिका के फ्लोरिडा जाएंगे। वे सिंगल्स में विश्व में 110 वें नंबर और डबल्स में विश्व में 48 वें नंबर के खिलाड़ी हैं। आईटीएफ मास्टर टेनिस टूर्नामेंट प्रतियोगिता 11 मई से 16 मई तक खेली जाएगी।

बुधवार को चार सदस्ययी टीम का ऐलान हुआ है, जिसमें ओपी दीक्षित का नाम भी शामिल है। ओपी दीक्षित ने बताया कि उनके पास भारत में नौ बार लगातार आईटीएफ मास्टर्स टूर्नामेंट जीतने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने बताया कि मैंने 35 साल की उम्र में टेनिस का बल्ला थामा था। देखते ही देखते मास्टर टेनिस खेलने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गया। मेरे साथ ये देश के लिए, प्रदेश के लिए, रीवा के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।

ओपी दीक्षित का जन्म 4 जुलाई 1959 को रीवा में हुआ। खजुआ से आठवीं तक की पढ़ाई की। लाल गांव में 11वीं की परीक्षा पास की। आगे पढ़ने के लिए रीवा के साइंस कॉलेज पहुंच गए। यहां से बीएससी, एमएससी करने के बाद इसी कॉलेज में टीचर हो गए। 1986 में सिलेक्शन फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री सागर में हो गया। तब से वहीं पर पदस्थ रहे, वहीं से रिटायर हुए। 1993 में इंदौर में अपनी पदस्थापना के दौरान टेनिस का बल्ला थामा। 2000 में पहली बार ही सिलेक्शन में पहुंच गए और उनका सिलेक्शन हो गया। 5 साल लगातार देश का प्रतिष्ठित टेनिस का टूर्नामेंट जीतने की वजह से भारत सरकार ने उनको पांच इंक्रीमेंट भी दिए, जो काफी बड़ी बात थी।

ओपी दीक्षित अपने टेनिस के कैरियर में कई उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ी रहे। एशिया पेसिफिक मास्टर टेनिस ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न में दो सिल्वर, एक ब्रांच भी जीता। एक बार ऑस्ट्रेलिया में वर्ल्ड मास्टर गेम्स में भाग लेने मेलबर्न में गए हुए थे। वहां उनके साथ एक हादसा भी हो गया। उनको उम्मीद नहीं थी, वह आगे तक जा सकते हैं। इसके चलते उन्होंने पहले का टिकट ले लिया था, लेकिन ओपी दीक्षित सेमीफाइनल में पहुंच गए। अब उनको यह तय करना था कि वह सेमीफाइनल खेले या भारत लौट जाए, क्योंकि अगली टिकट जल्दी मिलने वाली नहीं थी, पैसे भी बहुत लगाते थे। उन्होंने फाइनल खेलने की जगह वापस भारत आना बेहतर समझा। चार लोगों में दिल्ली के अजीत भारद्वाज का नाम है, रीवा के ओपी दीक्षित का नाम है। ललित शर्मा जयपुर से हैं और राकेश कोहली मेरठ भी शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल से कुलगुरू प्रो. कुड़रिया ने की सौजन्य भेंट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से राजनिवास सर्किट हाउस में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलगुरू प्रो. राजेन्द्र कुमार कुड़रिया ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि कुलगुरू के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय व इससे सम्बद्ध महाविद्यालय नई उचाइयाँ छूएंगे। उन्होंने अपेक्षा की कि स्वरोजगार व रोजगार से संबंधित नवीन व उपयोगी पाठ्यक्रम संचालन में भी कुलगुरू की भूमिका होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा में आईटी पार्क का निर्माण किया जा रहा है जो युवाओं के लिये वरदान साबित होगा।

सौजन्य भेंट में कुलगुरू ने उप मुख्यमंत्री जी को आश्वस्त किया कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय व महाविद्यालय को और आगे ले जाने के सभी प्रयास किये जायेंगे। इस अंचल की संभावनाओं को दृष्टिगत रखकर नये पाठ्यक्रम संचालित होंगे। प्राचीन भारतीय इतिहास को आर्टिफिसियल इटेलीजेन्स से सम्बद्ध कर पाठ्यक्रम प्रारंभ करने का कार्य किया जायेगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में सोलर पैनल की स्थापना भी कराई जायेगी ताकि सोलर बिजली का उपयोग हो सके। इस दौरान पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, रजिस्ट्रार सुरेन्द्र सिंह सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

उप संचालक मत्स्य पालन ने मछली मार्केट का किया औचक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप संचालक मत्स्योद्योग डॉ. अंजना सिंह ने मछली मार्केट का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा मछली विक्रेताओं को जहरीली थाई मांगुर मछली से होने वाले नुकसान के बारे में समझाइश दी। उन्होंने मत्स्य विक्रेताओं को मछली के पालन विक्रय पर भारत सरकार द्वारा प्रतिबंध एवं विक्रय करते पाए जाने पर चालन करते हुए जुर्माना के प्रावधान के बारे में भी बताया।

ज्ञातव्य हैं कि थाई मांगुर मछली एक मांसाहारी मछली है। यह सडे गले मांस खाकर जल्दी बड़ी होने वाली मछली है इसलिए मत्स्य पलक इसे आसानी से पाल लेते है इसको पालने में कम खर्च आता है। यह सिंगल कांटे की मछली है इसलिए मछली खाने वाले इसे पसंद करते हैं परंतु इसके अंदर पाए जाने वाले हानिकारक तत्वों से अनभिज्ञ रहते हैं। उप संचालक डॉ अंजना सिंह द्वारा बताया गया कि समय समय पर विभिन्न प्रचार माध्यमों से जनता एवं मत्स्य विक्रेताओं को यह जानकारी प्रदान की जाती है कि थाई मांगुर मछली में हैवी मेटल जिंक लेड क्रोमियम आदि पाए जाते है जो इंसान के शरीर में स्लो पॉयजन की तरह कार्य करते है इसका असर मानव शरीर में तुरंत नहीं दिखाई देता परन्तु यह कई प्रकार की जेनेटिक बीमारियों को पैदा करती है। इसलिए भारत सरकार द्वारा इस मछली के पालन/विक्रय/आयात/निर्यात पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है।

रीवा, सतना और मैहर समेत कई जगहों पर जाम, प्रयागराज जाने वाले हजारों वाहन फंसे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रयागराज महाकुंभ में आज माघ पूर्णिमा का स्नान जारी है। कई राज्यों के श्रद्धालु एमपी-यूपी बॉर्डर से सटे 4 जिलों रीवा, सतना, मैहर और कटनी के रास्ते लगातार प्रयागराज जा रहे हैं, जिससे तीन दिन से जाम लगा रहा। बुधवार सुबह से करीब 10 हजार गाड़ियां स्लो ट्रैफिक में फंसी रहीं। हालांकि रीवा पुलिस ने दोपहर तक 5 प्वाइंट्स खोल दिए। धीरे-धीरे वाहनों को रवाना किया।

शनिवार से लगा जाम बुधवार शाम 5 बजे तक क्लियर हो सका। बताया गया कि ये रीवा के इतिहास का सबसे लंबा जाम है। जो कि शनिवार, रविवार, सोमवार और मंगलवार समेत बुधवार को आधे दिन तक रहा।

डीआईजी साकेत पांडेय ने बताया कि अब सड़क मार्ग से ट्रैफिक क्लियर हो गया है। अब रेलवे स्टेशनों में लोगों की भीड़ पहुंच रही है। जिसमें सतना, कटनी, जैतवारा, डभौरा रेलवे स्टेशन शामिल हैं। थानों से पुलिस बल रेलवे स्टेशन भेजा जा रहा है। सड़क मार्ग से रीवा से प्रयाग जाने का एक ही रास्ता है, ह्वा/30 जो चाकघाट होकर जाता है। जब कई प्रदेशों के लोग एक साथ अपने वाहन लेकर इस रास्ते पर पहुंच जाते हैं तो सड़क पर कई किलोमीटर तक गाड़ियों की लंबी कतार लग जाती है।

राष्ट्रीय राजमार्ग में सड़क के एक तरफ से निश्चित संख्या में वाहन ही एक बार में निकल सकते हैं। लेकिन हम अपना पूरा प्रयास कर रहे हैं। जब प्रयाग से लोगों को रोकने का सिग्नल मिलता है या वहां संख्या ज्यादा हो जाती है। तब मजबूरन श्रद्धालुओं को रोकना पड़ता है। पूरी स्थिति अब नियंत्रण में है। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश के बाद प्रशासन अपनी तरफ से कुंभ यात्रियों की आवभगत और सुविधा में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। देश के कई राज्यों से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। उन्हें संभालना और सुविधाओं की फिक्र करना थोड़ा कठिन जरूर है, लेकिन प्रशासन इसे भली पूर्वक कर रहा है।

जिला ई-गवर्नेंस मैनेजर मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग अन्तर्गत "मध्यप्रदेश कंप्यूटर इमरजेंसी रेस्पोंस टीम का गठन किया गया है। मध्यप्रदेश कम्प्यूटर इमरजेंसी रेस्पोंस टीम सूचना प्रौद्योगिकी के सुरक्षा पहलुओं, संवेदनशील एवं विशेष आकस्मिक परिस्थितियों में सबंधित विषयों के लिए निर्णय लेने हेतु सशक्त एवं केन्द्रीयकृत स्वायत्त संगठन के रूप में कार्य कर रही है। शासन अंतर्गत समस्त विभागों के स्तर पर तथा उनके अधीनस्थ संचालित विभागीय कार्यालयों, मुख्यालयों, संचालनालयों एवं सम्बंधित संस्थाओं एवं संगठनों में मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किये गये है। साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए समस्त जिलों में डिजिटल संचालन एवं सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक आशीष दुबे को जिला स्तर पर मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है।

मऊगंज कलेक्टर ने होधल्डग स्टेशनों की व्यवस्थायें देखी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने प्रयागराज महाकुंभ जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए मऊगंज जिले में स्थापित होधल्डग स्टेशनों का निरीक्षण किया तथा वहां की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रसना ठाकुर भी उपस्थित रहीं। कलेक्टर ने होधल्डग स्टेशनों में छाया, भोजन, पानी, चाय तथा बच्चों के लिए दूध आदि की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा उपस्थित अधिकारियों, कमर्चारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने शिविरों में चिकित्सा व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने के निर्देश भी दिये। इस दौरान एसडीएम हनुमना कमलेशपुरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संभागीय आईटीआई में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संभागीय आईटीआई रीवा में 13 फरवरी को प्रातः 10 बजे से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट ड्राइव में वर्ष 2022, 2023 और 2024 के आईटीआई प्रशिक्षणार्थियों को ट्रेनी एवं अप्रेंटिस के पद पर साक्षात्कार के बाद भर्ती का अवसर दिया जाएगा।

इन पदों पर भर्ती हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड हरिद्वार प्लांट के लिए की जाएगी। इसमें फिटर, टर्नर, एमएमव्ही, डीजल मैकेनिक, ट्रैक्टर मैकेनिक, मशीनिस्ट, वेल्डर तथा इलेक्ट्रीशियन व्यवसाय के आईटीआई प्रशिक्षणार्थी शामिल हो सकते हैं। ट्रेनी एवं अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती के लिए प्रशिक्षणार्थियों की आयु 18 से 26 वर्ष निर्धारित की गई है। चयनित आवेदकों को वेतन 23626 रुपए निर्धारित किया गया जो कटौती के बाद 16387 रुपए देय होगा। पीएफ और अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी। साक्षात्कार में शामिल होने के लिए आवेदक अपने साथ सभी दस्तावेज एवं पासपोर्ट साइज के फोटोग्राफ अवश्य लाएं।

उप मुख्यमंत्री ने तीर्थयात्रियों को भोजन और पानी का किया वितरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने महाकुंभ जा रहे तीर्थयात्रियों के लिए रीवा बाईपास में हरिहरपुर में लगाये गये शिविर में पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा तीर्थयात्रियों को भोजन एवं पानी का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने तीर्थयात्रियों से संवाद करते हुए रीवा जिले एवं मध्यप्रदेश में की गयी समुचित व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

तीर्थयात्रियों ने उप मुख्यमंत्री शुक्ल से कहा कि मध्यप्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर तीर्थयात्रियों के लिए जगह-जगह भोजन, पानी, चाय, बिस्किट, फल एवं दूध का वितरण किया जा रहा है जिससे हम लोगों को कहीं भी कोई परेशानी नहीं हो रही है। रीवा जिले में भी आपके मार्गदर्शन में सभी व्यवस्थाएं की गयी हैं जिससे बड़ी संख्या में यात्रीगण विभिन्न सेवाएं प्राप्त कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने शिविर स्थल में लगाये गये चिकित्सा कैंप का भी निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि सामाजिक संगठनों के सहयोग से विन्ध्य में तीर्थयात्रियों के लिए निःशुल्क भोजन, पानी की व्यवस्था की गयी है। इसके साथ ही चिकित्सा व अन्य आवश्यक व्यवस्थायें भी की गयी हैं।

ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर कृषि यंत्री हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर कृषि यंत्रों के लिये आवेदन 18 फरवरी तक आमंत्रित किये गये हैं। कृषि यंत्र पावर वीडर, पावर टिलर 8 बी.एच.पी. से अधिक, पावर हैरो, थेडर/मल्चर, स्ट्रा रीपर एवं रीपर (स्वचालित/ट्रेक्टर चलित) के आवेदन पोर्टल पर आमंत्रित किये गये हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर 19 फरवरी को लॉटरी निकाली जायेगी। सहायक कृषि यंत्री ने बताया कि आवेदन के साथ कृषक स्वयं के बैंक खाते से राशि का डिमांड ड्राफ्ट संबंधित जिले के सहायक कृषि यंत्री के नाम से बनवाकर जमा करना अनिवार्य होगा। कृषि यंत्र पावर वीडर हेतु 3100 रूपये, कृषि यंत्र पावर टिलर - 8 बी.एच.पी से अधिक हेतु 5000 रूपये, कृषि यंत्र पावर हैरो हेतु 3500 रूपये, कृषि यंत्र श्रेडर/मल्चर हेतु 5500 रूपये, कृषि यंत्र स्ट्रॉ रीपर हेतु 10000 रूपये तथा कृषि यंत्र रीपर (स्वचालित/ट्रेक्टर चलित) हेतु 3300 रूपये का डिमांड ड्राफ्ट देय होगा। इसके साथ ही किसानों को किस्त बंदी खतौनी, आधार कार्ड, पासबुक, ट्रैक्टर रजिस्ट्रेशन (ट्रेक्टर चलित यंत्रों के लिए) तथा अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के किसानों के जाति प्रमाण पत्र जमा करने होंगे। आवेदनकर्ता के नाम से भूमि होना आवश्यक है। इच्छुक कृषक कॉमन सर्विस सेंटर अथवा अधिकृत कृषि यंत्र विक्रेता के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

राष्ट्रीय न्यास लोकल लेवल कमेटी की बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय न्यास लोकल लेवल कमेटी की बैठक 13 फरवरी को आयोजित की गई हैं। बाणसागर सभागार में अपरान्ह 3 बजे से आहूत बैठक में पीओ विधि संरक्षता के आवेदनों पर विचार एवं नियुक्ति, जनसुनवाई द्वारा प्राप्त लीगल गार्जियनशिप के आवेदनों पर विभाग एवं अनुमोदन, पूर्व में जारी किये गये विधिक संरक्षण की मृत्यु होने के कारण नये विधिक संरक्षक के अनुमोदन आदि विषयों पर चर्चा की जायेगी। एनजीओ सदस्य एवं संयोजक शशिधरमणि त्रिपाठी ने समिति के सदस्यों से बैठक में उपस्थिति का अनुरोध किया है।

उप मुख्यमंत्री ने बसामन मामा गौवन्य विहार के निर्माण कार्यों की समीक्षा की

गौवन्य विहार में समुचित पानी और बिजली की निर्बाध आपूर्ति के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा गौवन्य विहार अभ्यारण्य में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने गाय को गुड़ चना खिलाकर गौसेवा की। उप मुख्यमंत्री ने यज्ञ शाला में आयोजित बैठक में कहा कि वन्य विहार में बिजली की निर्बाध आपूर्ति की व्यवस्था करें। नये विद्युत सबस्टेशन के निर्माण तक बसामन मामा मंदिर के पास के फीडर से कनेक्शन करायें। गौशाला से जुड़ी 17 एकड़ जमीन पर दो गौशाला शेड का इस तरह निर्माण करें की बाउन्ड्रीबाल बनाने की आवश्यकता न रहे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यपालन यंत्री जल संसाधन नाले में दो स्टापडैम सह रपटा निर्माण का स्टीमेट तैयार करें। स्टापडैमों के निर्माण से गौशाला में पानी की व्यवस्था के साथ चारागाह विकास की भी सुविधा मिलेगी। माइक्रो सिंचाई परियोजना से पूर्वा तालाब तथा क्षेत्र के अन्य तालाबों में पानी भरने की व्यवस्था करें। कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा गायों के पानी पीने के लिए हौज तथा चारा चारागाह की बाउन्ड्रीबाल का निर्माण तत्काल शुरू करायें। कार्यपालन यंत्री पीएचई दोनों शंपबेल में 7 दिवस में पानी भरने की व्यवस्था करें।

उप मुख्यमंत्री ने बैठक में वनमंडलाधिकारी को गायों के चरने के वन क्षेत्र में पानी की व्यवस्था करने तथा विभागीय प्लांटेशन में गौशाला की खाद के उपयोग के निर्देश दिए। बैठक में उप संचालक पशु पालन डॉ. राजेश मिश्रा ने बसामन मामा गौअभ्यारण्य के कार्यों की जानकारी दी। बैठक के बाद उप मुख्यमंत्री ने गौशाला में प्रस्तावित राधा कृष्ण गौ मंदिर के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया एवं निर्माण कार्य तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए। बैठक में पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, एसडीएम सिरमौर आर.के. सिन्हा, कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन मनोज तिवारी, अधीक्षण यंत्री बिजली विभाग बी.के. शुक्ला जिला प्रबंधक जल निगम चित्रांशु उपाध्याय स्थानीय जन प्रतिनिधिगण तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रातः गौअभ्यारण्य का भ्रमण किया तथा नवजात बछड़े को गोद में उठाकर दुलार किया। विदित हो कि उप मुख्यमंत्री जी ने रात्रि विश्राम गौवंश वन्य विहार में ही किया था।

डिप्टी सीएम ने सुनीं समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने राजनिवास सर्किट हाउस रीवा में आमजनों से जनसंवाद करते हुए उनकी समस्यायें सुनीं तथा उनके यथोचित निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।